RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 221 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 31 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

मालेगांव बम धमाके के सातों आरोपी बरी

आतंक का कोई धर्म नहीं, कोई धर्म हिंसा का समर्थन नहीं करता : जस्टिस लाहोटी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने आज मालेगांव 2008 बम धमाके के मामले में फैसला सुनाया है। इस केस में सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया गया है. इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिरकर, सुधाकर धर द्विवेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। कोर्ट के स्पेशल जज लाहोरी ने सभी सात आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि 'कोई भी सबूत विश्वसनीय नहीं है।'

कोर्ट ने माना कि यह घटना समाज के खिलाफ एक गंभीर अपराध थी, लेकिन कानून में सजा देने के लिए सिर्फ नैतिक आधार नहीं, मजबूत सबूत जरूरी होते हैं। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कोई विश्वसनीय और पुख्ता सबूत नहीं मिला, इसलिए सभी को बरी किया जाता है। पुलिस अगर चाहे तो वॉन्टेड आरोपियों के खिलाफ अलग चार्जशीट दाखिल कर सकती है। सभी बरी आरोपियों को कोर्ट का ऑर्डर (कॉपी) दिया जाएगा।%

> **29 सितंबर 2008 को मालेगांव के भीकू चौक पर एक दोपहिया वाहन में बम विस्फोट हुआ, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई और 101 लोग घायल हुए. मृतकों में फरहीन उर्फ शगुफ्ता शेख लियाकत, शेख मुश्ताक यूसुफ, शेख रफीक मुस्तफा, इरफान जियाउल्लाह खान, सैयद अजहर सैयद निसार और हारून शाह मोहम्मद शाह शामिल थे।**

कोर्ट ने साफ कहा, 'प्रॉसिक्यूशन कोई ऐसा ठोस सबूत नहीं दे पाया जिसे कानूनी रूप से सही माना जा सके। जिन गवाहों पर भरोसा किया गया, उनकी गवाही भी कमजोर निकली। सिर्फ कहानी या सोच बना लेना काफी नहीं होता, सजा के लिए पक्के सबूत चाहिए होते हैं। अदालत सबूतों पर भरोसा करने में असमर्थ है। गंभीर संदेह है लेकिन केवल संदेह के आधार पर प्रॉसिक्यूशन मामले को आगे नहीं बढ़ा सकता। 'कोर्ट ने कहा, 'McOCA कानून को पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने गलत ठहराया था, इसलिए इसे केस से हटा दिया गया। UAPA कानून लगाने की जो मंजूरी गृह विभाग (ACS Home) ने दी थी, वह बिना ठीक से जांचे-समझे दी गई थी।

इसलिए UAPA की धाराएं भी केस में लागू नहीं होतीं। यह साबित नहीं हो सका कि 'अभिनव भारत' संस्था का पैसा किसी आतंकी गतिविधि में इस्तेमाल हुआ।'

कोर्ट ने कहा, 'अहम गवाहों ने प्रॉसिक्यूशन का समर्थन नहीं किया। प्रॉसिक्यूशन षड्यंत्र रचने की बैठकों को साबित करने में विफल रहा है।'

अदालत ने कहा, 'स्पॉट पंचनामा में खामियां थीं। डंप डेटा उपलब्ध नहीं था। घटनास्थल की बैरिकेडिंग नहीं की गई थी इसलिए कोई निर्णायक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता. वाहन के चेसिस नंबर को मिटा दिया गया था और दोबारा रिस्टोर नहीं किया गया, इसलिए कोई ठोस सबूत नहीं है कि वह मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा की ही थी।'

कोर्ट ने कहा, 'कुछ मेडिकल प्रमाण पत्र अवैध चिकित्सकों की ओर से जारी किए गए हैं, जिन्हें साबित किया जाना जरूरी है। कोई सबूत उपलब्ध नहीं है जिससे यह साबित हो कि पुरोहित RDX लाया था या बम असेंबल किया गया था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि बम वाली मोटरसाइकिल किसने खड़ी की, जबकि इलाका रमजान के चलते पहले से सील किया गया था। घटना के बाद की स्थिति में- पत्थरबाजी किसने की, नुकसान किसने पहुंचाया, पुलिस की बंदूक छीनने की घटनाएं- इन पर कोई स्पष्ट सबूत नहीं है।

स्पेशल जज लाहोटी ने फैसला सुनाते हुए कहा कि कुछ आरोप अदालत द्वारा खारिज किए गए हैं, जबकि कुछ स्वीकार किए गए हैं। बचाव पक्ष का यह तर्क कि ATS का कालाचौकी कार्यालय एक पुलिस स्टेशन नहीं है, को अदालत ने अस्वीकार कर दिया है। अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि बम मोटरसाइकिल के बाहर रखा गया था, न कि अंदर।

तेज रफ्तार एसयूवी ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-28 डीपीएस स्कूल के सामने आज सुबह एक एसयूवी कार चालक ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। ई-रिक्शा आगे जा रही होंडा सिटी कार से टकरा गया। टक्कर मारने के बाद एसयूवी कार डिवाईडर पर बने मंदिर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची थाना सेक्टर-20 पुलिस ने गाड़ियों को साइड में कराकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

छात्रा के मोबाइल पर मैसेज देख भड़का दोस्त लात घूंसे बरसाए, पहली मंजिल से दिया धक्का

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के एक कॉलेज से फिजियोथैरेपी की पढ़ाई कर रही छात्रा के साथ उसके दोस्त ने जमकर बर्बरता की है। छात्रा के मोबाइल पर एक मैसेज देखने के बाद उसके दोस्त ने गुस्से में आकर उस पर लात-घूंसे बरसाए और उसे पहली मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। छात्रा नीचे गिरने से घायल हो गई है और उसके सिर में गंभीर चोटे आई हैं। छात्रा के पिता की शिकायत पर थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली के रहने वाली कोमल (काल्पनिक नाम) ग्रेटर नोएडा के एनआईएमटी कॉलेज में फिजियोथैरेपी लास्ट ईयर की छात्रा है। उसी के कॉलेज में शोएब पुत्र जाकिर भी पढ़ाई कर रहा है। 29 जुलाई को कोमल शोएब के हल्द्वानी

गांव स्थित नसीम अपार्टमेंट में उससे मिलने के लिए गई थी। दोनों आपस में बात कर रहे थे इस दौरान कोमल के मोबाइल फोन पर किसी का मैसेज आया।

मोबाइल पर मैसेज को देखते ही शोएब भड़क उठा और उसने कोमल से झगड़ा शुरू कर दिया। झगड़े के दौरान शोएब ने गाली गलौज के साथ-साथ ही उस पर थप्पड़ व लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। कोमल ने जब इस बात का विरोध किया तो शोएब ने डंडे व धारदार हथियार से उस पर कई बार किये। कोमल अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल पर पहुंची पीछे-पीछे आए शोएब ने उसे अपार्टमेंट के पहले फ्लोर से धक्का दे दिया जिससे वह नीचे गिरी।

पहली मंजिल से गिरने के कारण कोमल के सिर में गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गई। शोर-शराबा सुनकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। कोमल को गंभीर हालत में शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में छात्रा के पिता ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

हुसैनीवाला पंजाब से शहीद स्तंभ दादरी तक ऐतिहासिक 'प्रेरणा यात्रा' निकालेंगे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'जय हो' सामाजिक संस्था इस बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को एक ऐतिहासिक 'प्रेरणा यात्रा' निकालने जा रही है। यह यात्रा पंजाब के हुसैनीवाला में स्थित शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के समाधी स्थल से शुरू होकर जिले के दादरी नगर स्थित 1857 की क्रांति के प्रतीक शहीद स्तंभ पर समाप्त होगी। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग लाल कुआ से दादरी तक देशभक्ति गीतों के साथ अपने शहीदों की रज से भरे कलश हाथ में लेकर उन्हें नमन करते हुए पद यात्रा करेंगे। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट व उनके साथियों के द्वारा ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी गई।

● शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के समाधी स्थल की रज और सतलुज नदी का लाया जाएगा जल

इस अवसर पर 'जय हो' एक सामाजिक संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने 'प्रेरणा यात्रा' के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि हुसैनीवाला पंजाब प्रांत में पाकिस्तान बार्डर पर सतलुज नदी के किनारे बसा एक गांव है। जहां 23 मार्च 1931 को अंग्रजी हुकूमत ने लाहौर सेंट्रल जेल में शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को फांसी देकर रात के समय में उनका अंतिम संस्कार कराया था। जहां की रज में आज भी उनकी स्मृति अवशेष मौजूद हैं। उसी को ध्यान में रखकर संस्था ने तय किया है कि वो वहां की पवित्र रज और सतलुज नदी का जल लेकर आएंगे। जिसे दादरी स्थित 1857 के प्रतीक **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

महिला मित्र ने दोस्तों के साथ मिलकर युवक को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 में एक युवक ने अपनी पूर्व महिला मित्र सहित चार लोगों के खिलाफ मारपीट जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में दो दिन पहले आरोपी युवती ने पीड़ित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

जनपद संत कबीर नगर निवासी अजीत सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में ग्राम शहदरा में किराए पर रह रहा है। डेढ़ साल पहले उसकी सोनिया नाम की युवती से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती कुछ ही समय चली जिसके बाद दोनों अलग-अलग हो गए। अजीत के मुताबिक 25 जुलाई की शाम को सोनिया अपने दोस्त

आकाश सिंह, इशिका व प्रिया सिंह के साथ लाठी डंडों से लैस होकर उसके कमरे पर पहुंची और उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो चारों आरोपी उस पर टूट पड़े और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। अजीत के मुताबिक झगड़ा होता देखकर उसके चाचा रामचंद्र व अन्य पड़ोसियों ने किसी तरह बीच बचाव कर उसे इन लोगों के चंगुल से छुड़ाया। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

4 से 14 दिनों के भीतर निपटा दिए जाएंगे किसानों के दो प्रमुख मुद्दे : संजय खत्री

एसीईओ के आश्वासन के बाद देर रात समाप्त हुआ किसानों का धरना प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) संजय खत्री ने कहा है कि किसानों के लंबित पांच फ़ीसदी के भूखंड तथा 10 फ़ीसदी की मुआवजा राशि का निस्तारण चार दिन से लेकर 14 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। एसीईओ के इस आश्वासन के बाद देर रात नोएडा प्राधिकरण के गेट पर किसानों का धरना प्रदर्शन समाप्त हो गया। मालूम हो कि कल इन्हीं मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन मंच के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने नोएडा प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन शुरू किया था। इसके पूर्व **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

ऑपरेशन क्लीन : एनकाउंटर में बदमाश को लगी गोली, दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। क्राइम और क्रिमिनलों के खिलाफ गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन के तहत बदमाशों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है। आए दिन शातिर बदमाश पुलिस की गोली का शिकार बन रहे हैं। बीती देर रात भी थाना सेक्टर-49 पुलिस ने एनकाउंटर के बाद दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एनकाउंटर के दौरान एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर-49 प्रभारी अनुज कुमार सैनी पुलिस टीम के साथ सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के नीचे बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने बाइक पर

आ रहे दो युवकों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगे। पुलिस के पीछा करने पर युवकों की बाइक सेक्टर-50 के पास फिसल कर गिर गई। बाइक से गिरे युवकों ने पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा जवाब में चलाई गई गोली से एक बदमाश घायल होकर गिर गया जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया।

एडीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान गौरव पुत्र पप्पू निवासी ग्राम मोरना के रूप में हुई। गौरव मूल रूप से ग्राम भूड़ जनपद बुलंदशहर का रहने वाला है। घायल गौरव को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया और दूसरे बदमाश की तलाश में कांबिंग शुरू की। कांबिंग के दौरान पुलिस ने सौरव पुत्र पप्पू निवासी ग्राम मोरना को दबोच लिया। दोनों बदमाशों के पास से तमंचा, कारतूस, 6500 रुपए, लूटा हुआ सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन, चोरी की 15 टौंटी तथा चोरी की बाइक बरामद हुई। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपी सगे भाई हैं और शातिर बदमाश हैं। दोनों भाई रेकी करने के बाद चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

किशोरी को भगा ले गया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के खजूर कॉलोनी में रहने वाली एक किशोरी को युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी की बहन ने आरोपी युवक व उसके मौसेरे भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। खजूर कॉलोनी सेक्टर 45 में किराए पर रहने वाली सोनिया (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी बहन के साथ रह रही है। 28 जुलाई को उसके (17 वर्षीय) बहन को कन्हैया पुत्र विनोद कुमार बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। अपनी बहन के गायब होने पर जब उसने लोगों से पूछताछ की को पता चला कि उसकी बहन को भगाने में कन्हैया के मौसेरे भाई छोटू ने भी उसकी मदद की है। पीड़िता के मुताबिक इस मामले में उसने कन्हैया लाल के मौसा गुड्डू से बात की तो उसने स्वीकार किया कि उसकी बहन उनके पास है और उन्होंने उसे छुपा रखा है। गुड्डू ने भी उसकी बहन का पता बताने से साफ इनकार कर दिया। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

डिजिटल परिवर्तन

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन-सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय परीक्षा में लाखों प्रत्याशियों का शामिल होना बताता है कि बेरोजगारी किस पैमाने पर है। यह भी कि उनके लिये अवसर बेहद कम हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि अगर की धूप का बहुत सा धुआँ मानो (संध्या का) अंधकार है और जो अबीर उड़ रहा है, वह उसकी ललाई है। महलों में जो मणियों के समूह हैं, वे मानो तारागण हैं। राज महल का जो कलश है, वही मानो श्रेष्ठ चन्द्रमा है।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

भवन बेदधुनि अति मृदु बानी। जनु खग मुखर समयँ जनु सानी।।
कौतुक देखि पतंग भुलाना। एक मास तेइँ जात न जाना।।

राजभवन में जो अति कोमल वाणी से वेदध्वनि हो रही है, वही मानो समय से (समयानुकूल) सनी हुई पक्षियों की चहचहाहट है। यह कौतुक देखकर सूर्य भी (अपनी चाल) भूल गए। एक महीना उन्होंने जाता हुआ न जाना (अर्थात उन्हें एक महीना वहीं बीत गया)।।

दो0-मास दिवस कर दिवस भा मरम न जानइ कोइ।
रथ समेत रबि थाकेउ निसा कवन बिधि होइ।।

महीने भर का दिन हो गया। इस रहस्य को कोई नहीं जानता। सूर्य अपने रथ सहित वहीं रुक गए, फिर रात किस तरह होती।।

यह रहस्य काहूँ नहिं जाना। दिनमनि चले करत गुनगाना।।
देखि महोत्सव सुर मुनि नागा। चले भवन बरनत निज भागा।।

यह रहस्य किसी ने नहीं जाना। सूर्यदेव (भगवान श्री रामजी का) गुणगान करते हुए चले। यह महोत्सव देखकर देवता, मुनि और नाग अपने भाग्य की सराहना करते हुए अपने-अपने घर चले।।

(क्रमशः...)

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।

शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत

> ***अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है।***

बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

डा. कलाम का शैक्षणिक योगदान

डा. एपीजे अब्दुल कलाम देश के इतिहास में एक महान व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। डा. कलाम का जीवन एक शिक्षक के रूप में उनके शिक्षा के प्रति समर्पण का सबसे बड़ा प्रमाण है। उनकी अंतिम यात्रा भी एक शिक्षक के रूप में छात्रों के बीच हुई। 27 जुलाई 2015 को, शिलांग के आईआईएम में छात्रों को संबोधित करते हुए उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और मृत्यु हो गई। यह घटना एक संकेत है कि वे अपने जीवन के अंतिम क्षण तक भी एक शिक्षक के रूप में ही जीते रहे। डा. कलाम शिक्षा को बहुत महत्व देते थे और उनका मानना था कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। वे शिक्षा को सेवा क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मानते थे, क्योंकि यह किसी भी काम को करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। डा. कलाम के अनुसार, शिक्षा में रचनात्मकता को उजागर करने और विकसित करने की क्षमता होती है। उनका मानना था कि शिक्षा के माध्यम से, छात्रों को न केवल ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि वे अपने भीतर की रचनात्मकता को भी पहचानते हैं और उसे विकसित करते हैं।

डा. कलाम ने शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया, जिसमें छात्रों को नैतिकता, ईमानदारी और देशभक्ति जैसे मूल्यों को सिखाया जाए। साथ ही शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद आसानी से नौकरी मिल सके। डा. कलाम ने शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी ध्यान केंद्रित किया और कहा कि शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण विधियों और तकनीकों से अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा में खेलों के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि खेलों के माध्यम से छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाया जा सकता है। डा. कलाम ने शिक्षा में तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित किया और कहा कि तकनीक के माध्यम से छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से सिखाया जा सकता है। उनका मानना था कि शिक्षण एक ऐसा कार्य है, जो न केवल ज्ञान के संचार में, बल्कि समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कई बार कहा था कि वे एक शिक्षक के रूप में जन्मे हैं और हमेशा एक शिक्षक ही बने रहना चाहते हैं। यहां तक कि राष्ट्रपति बनने के बाद भी, उनकी यह इच्छा कभी मंद नहीं हुई। वह हमेशा छात्रों के साथ समय बिताने के लिए उत्सुक रहते थे और उनसे संवाद करना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। राष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद, डा. कलाम ने कई कालेजों, विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने छात्रों को उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। साथ ही भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं के साथ संवाद किया और उन्हें देश के विकास में अपनी भूमिका को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. कलाम ने आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) के छात्रों के साथ कई बार संवाद किया।

एक बार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वाराणसी के कार्यक्रम में उन्होंने कहा था, 'आप में से प्रत्येक के पास एक अद्वितीय क्षमता है, जिसे पहचानने और उसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है।' उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी पढ़ाई को केवल नौकरी पाने का साधन न समझें, बल्कि उसे देश की सेवा का माध्यम मानें। छात्रों को नवाचार और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डा. कलाम का मानना था कि ज्ञान ही वह शक्ति है, जो समाज में परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने कहा, 'ज्ञान के बिना किसी भी समाज का विकास संभव नहीं है।' छात्रों को पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। डा. कलाम ने हमेशा विज्ञान और तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नई खोजें और आविष्कार समाज को नई दिशा देने में सक्षम हैं। छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच और अनुसंधान में संलग्न होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा के प्रसार पर बल दिया। एक बार की बात है, जब डा. कलाम ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान जब छात्रों ने उनसे उनकी सबसे प्रिय भूमिका के बारे में पूछा, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा, 'मैं एक शिक्षक हूं और यह मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है।' इस एक उत्तर ने छात्रों को गहराई से प्रेरित किया और उन्हें शिक्षा के महत्व को समझने में मदद की।

डा. कलाम का मानना था कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक बेहतर समाज का निर्माण करना है।' उन्होंने छात्रों को सिखाया कि कैसे वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के विकास के लिए कर सकते हैं। विशेष रूप से समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा के प्रसार पर जोर दिया। छात्रों को हमेशा समाज के प्रति उनके दायित्वों की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करे। छात्रों को सिखाया कि कैसे वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान करने के लिए कर सकते हैं। छात्रों को यह भी सिखाया कि वे कैसे अपने ज्ञान का उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कर सकते हैं। डा. कलाम ने छात्रों के साथ संवाद के माध्यम से उन्हें प्रेरित करने का कार्य किया। उन्होंने छात्रों को उनके जीवन के लक्ष्य तय करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। छात्रों को सिखाया कि कैसे वे अपनी मेहनत और लगन के बल पर अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी सिखाया कि कैसे वे अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और उन्हें सफलता में बदल सकते हैं।

डा. कलाम ने हमेशा छात्रों के सवालों का स्वागत किया और उन्हें अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को सिखाया कि सवाल पूछना और नए विचारों के बारे में सोचने से न केवल उनके ज्ञान में वृद्धि होती है, बल्कि उन्हें जीवन में सही दिशा भी मिलती है। उनके संवाद सत्रों में छात्रों ने अक्सर उनसे जीवन के गहरे प्रश्न पूछे, और डा. कलाम ने हर बार अपने अनुभवों और विचारों से उन्हें संतोषजनक उत्तर दिया। उनका छात्रों के प्रति स्नेह हमेशा जाहिर होता था। वे छात्रों के साथ घुल-मिलकर बात करते थे, उनकी समस्याओं को समझते थे और उन्हें समाधान सुझाते थे। उनके पास छात्रों के प्रति एक खास अपनापन था, जिसने उन्हें लाखों छात्रों का प्रिय बना दिया। उनकी सरलता और सादगी ने छात्रों को उनकी ओर आकर्षित किया और उन्हें एक आदर्श शिक्षक के रूप में स्थापित किया। डा. कलाम न केवल एक महान वैज्ञानिक और राष्ट्रपति थे, बल्कि एक अद्वितीय शिक्षक भी थे। उनकी शिक्षण की शैली, उनके विचार और उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार छात्रों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालता था। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल ज्ञान का संचार नहीं है, बल्कि यह समाज के निर्माण का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। डा. कलाम का जीवन और उनका योगदान हमेशा छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

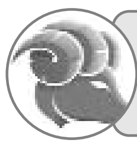

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

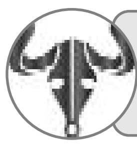

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा।

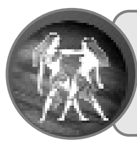

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें।

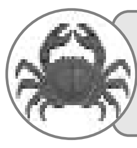

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

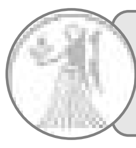

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धनार्जन करेंगे। कुटुंबों में वृद्धि होगी। क्रोध में काबू रखें। तबीयत थोड़ी ऊपर-नीचे रहेगी।

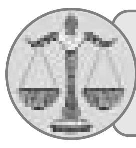

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे, जो चाहेंगे वो होगा। जिस चीज की जरूरत होगी उसकी उपलब्धता होगी।

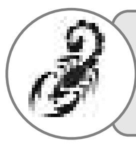

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान मध्यम।

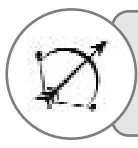

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, प्रेम-संतान अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्य साथ देगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

सलारपुर अंडरपास पर आयोजित किसानों की पंचायत को संबोधित करते किसान नेता नीरज नवादा।

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा ने साबौता अंडरपास पर की पंचायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा की महापंचायत जेवर क्षेत्र के साबौता अंडरपास पर हुई, जिसकी अध्यक्षता हरवीर सिंह एवं संचालन कृष्ण नागर ने किया। सुबह 10 बजे से लोग पंचायत में इकट्ठा होना शुरू हो गए। क़रीब साढ़े बारह बजे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान के साथ सैकड़ों गाड़ियों का काफ़िला पंचायत स्थल पर पहुँचा।

महापंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान ने कहा कि यमुना प्राधिकरण से संबंधित समस्याओं को लेकर किसान लंबे समय से आंदोलनरत हैं। इनमें नया भूमि अधिग्रहण क़ानून, सर्किल रेट में बढ़ोतरी, जेवर एयरपोर्ट से प्रभावित विस्थापित परिवार, रोज़गार एवं आबादी बैकलीज के मुद्दे शामिल हैं, जिनके लिए किसान दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।

सुबह से ही पंचायत स्थल पर पुलिस फ़ोर्स का जमावड़ा रहा। दोपहर ढाई बजे जेवर एसडीएम अभय सिंह, एसीपी सार्थक सैगर, यमुना प्राधिकरण के ओएसडी अजय शर्मा, तहसीलदार मनीष एवं जेवर कोतवाल संजय सिंह पंचायत स्थल पर पहुँचे और

उन्होंने अधिकारियों से वार्ता कराने का आश्वासन दिया।

किसानों ने अधिकारियों के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कहा कि किसानों को बरगलाया नहीं जाएगा, उन्हें ठोस निर्णय चाहिए। क़रीब साढ़े सात बजे फिर दोबारा उच्च स्तरीय अधिकारियों से वार्ता के बाद सभी अधिकारी धरना स्थल पर पहुँचे और यह सुनिश्चित किया कि 1 अगस्त को यमुना प्राधिकरण में एक बड़ी बैठक संगठन की होगी एवं तीनों प्राधिकरण के सीईओ, जिलाधिकारी एवं पुलिस कमिश्नर के साथ एक सप्ताह में वार्ता कराने का आश्वासन अधिकारियों ने दिया। यदि एक सप्ताह में वार्ता नहीं हुई तो किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा पुनः आंदोलन के लिए विवश होगा।

इस मौके पर विनय तालान, प्रताप नागर, डॉ. विकास प्रधान, आलोक नागर, ब्रजेश भाटी, तेजवीर भगत, आयुषी सिंधु, तेवतिया, लौकेश भाटी, नासिर प्रधान, ग़ज़ब प्रधान, रविंद्र प्रधान, जुबेर भाटी, कृष्ण नागर, संजय कसाना, नफीस मेवाती, निटू गुर्जर, निरजा सिंह, सिंहराज तंवर, शुभम चेची, नरेंद्र भाटी, सदीप चदेला, एडवोकेट अर्चना सिंह, हरेंद्र नागर, रफ़ीक कुरेशी, राशिद खान, विपिन कसाना, लीला नागर, राजकुमार रूपबास, प्रमोद भाटी, अशोक भाटी, मनोज भाटी, ओमवीर बीडीसी, निरंजन सिंह, गौरव चौधरी,तू गुर्जर, विनोद कसाना, उमेश राणा, नईम खान, राजकुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

19 महीने के संघर्ष के बाद शहदरा के किसानों की हुई जीत : बलराज भाटी

प्रदेश अध्यक्ष ने जताया राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-142 स्थित शहदरा गांव में चल रहा भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का धरना, मांग पूरी होने पर समाप्त हो गया। बता दें कि यह धरना भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के बैनर तले गत 19 महीने पूर्व शुरू किया गया था। धरना स्थल पर नोएडा प्राधिकरण की ओर से एसडीएम सीमा सिंह पहुंचीं और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल, प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी एवं समाजसेवी नवीन भाटी की उपस्थिति में किसानों की मांग पूरी करने की घोषणा की।

बता दें कि शहदरा गांव में हातिम सिंह भाटी एवं नवीन भाटी की पुश्तैनी जमीन थी, जिस पर कुछ निर्माण कार्य हुए थे। उच्च न्यायालय द्वारा उस जमीन पर स्थगन आदेश भी जारी किया गया था। इसके बाद भी गांव के कुछ लोगों की शिकायत पर नोएडा प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया। इससे नाराज होकर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के मेहनतकश किसानों ने आंदोलन

शुरू कर दिया।

यही नहीं, अपनी मांग को मनवाने के लिए कई बार धरना स्थल पर महापंचायत का आयोजन भी किया गया। बार-बार आश्वासन के बाद भी किसानों की मांग पूरी नहीं हुई। लेकिन भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने हार नहीं मानी और निरंतर संघर्ष करते रहे। इस संघर्ष का नतीजा यह रहा कि आखिरकार नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने उनकी सभी मांगे मान लीं और उन्हें एक महीने के भीतर निस्तारित करने का आश्वासन भी दे दिया। अब धरने को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है।

किसानों में मांग माने जाने को लेकर खुशी है और यूनियन के पदाधिकारियों का जगह-जगह स्वागत भी किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन बलराज के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से उन्होंने यह लड़ाई लड़ी और किसानों कोत दिलाई, उसके लिए हम उनका आभार एवं अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि 19 महीने की लंबी लड़ाई के बाद किसानों को न्याय मिला है, जिसके लिए हम सबमें खुशी है।

हातिम सिंह भाटी ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को गुमराह किया गया, नहीं तो यह मामला पहले ही सुलझ गया होता। उन्होंने कहा कि अब किसानों को उनका हक मिल जाएगा और हमारी बात भी रह गई। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी किसान के साथ अन्याय होगा तो भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ता उसके साथ हमेशा खड़े मिलेंगे।

सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एक्टिव सिटीजन टीम ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि प्रस्तावित अस्पताल प्लॉट्स निजी संस्थानों को न देकर उन पर सरकारी अस्पताल बनवाए जाएं। साथ ही शहर के पी-3 गोलचक्कर के पास पिछले डेढ़-दो वर्षों से टूटी पड़ी सीवर लाइन की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए।

ज्ञापन में कहा कि गौतमबुद्धनगर जिले में सरकारी और निजी अस्पतालों के अनुपात में भारी अंतर है, जिससे आम नागरिकों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन निजी अस्पतालों की महंगी चिकित्सा सेवाएं गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर हैं। ऐसे में आमजन के लिए इलाज मुश्किल होता जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने हाल ही में 4 प्लॉट्स को निजी अस्पतालों के लिए बिडिंग स्कीम के तहत प्रस्तावित किया है। बोली के ज़रिए ये प्लॉट्स कई गुना महंगे दामों पर निजी संस्थानों को मिलेंगे, जिसका सीधा असर इलाज की दरों पर पड़ेगा।

जब पहले से ही निजी अस्पतालों की भरमार है, तो नए प्लॉट्स पर सरकारी अस्पताल क्यों न बनाए जाएं? यदि प्राधिकरण खुद अस्पताल बनवाकर उन्हें संस्थाओं को संचालित करने के लिए दे, तो इलाज सस्ता होगा और जनता को राहत मिलेगी। यह मॉडल प्राधिकरण के लिए भी एक सतत आर्थिक स्रोत बन सकता है, जिससे शहरी विकास में भी योगदान मिलेगा।

इस अवसर पर मंजीत सिंह, साधना सिन्हा, हरेंद्र भाटी, आलोक सिंह, अनिल कसाना, रमेश प्रेमचंदानी और आशीष शर्मा मौजूद रहे।

जल दोहन का लगा आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेबीएम यूनिवर्सिटी द्वारा पीने के पानी को बराबर अधिक मात्रा में जल दोहन कर बर्बाद किया जा रहा है सभी विभागों को अवगत कराया जा चुका है।परमीशन में दी गई एक भी शर्त का पालन नहीं किया जा रहा है। एक तरफ़ सरकार किसानों को धान रोपाई पर पाबंदी लगाती है कि जल स्तर टूट न जाए पीने के पानी की किल्लत न आ जाए दूसरी तरफ तीन तीन मंजिला जमीं के नीचे बेसमेंट की परमीशन देकर जल दोहन कराया जा रहा है। जल स्तर लगातार घटने से केंद्र व प्रदेश सरकार चिंतित हैं।

इधर जल स्तर को तोड़ा जा रहा है। एक दिन गंगा जल जैसे पीने के पानी को बराबर अधिक मात्रा में बर्बाद कर सभी लोग यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के निवासी गंदा और बासा पीने के पानी को पीने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अगर जनहित में जल्द से जल्द शासन प्रशासन ने संज्ञान नहीं लिया तो। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) स्वयं धरने से जाकर जल दोहन को रोकने का काम किया जाएगा।

छात्रवृत्ति के लिए 20 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतम बुद्ध नगर लवेश कुमार सिसोदिया ने बताया कि शासन द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) दशमोत्तर/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत उच्च कक्षाओं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं अन्य पिछड़े वर्ग पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (कक्षा 09-10) तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान के संबंध में समय सारणी निर्गत की गई है।

उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा दशमोत्तर/शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए शिक्षण संस्था द्वारा 07 जुलाई 2025 से 25 नवंबर 2025 तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा एवं छात्रों द्वारा 10 जुलाई 2025 से 20 दिसंबर 2025 तक रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा।

इसी प्रकार पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (कक्षा 09-10)/दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा(11-12) हेतु संस्था द्वारा 01 जुलाई 2025 से 05 अक्टूबर 2025 तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा एवं छात्रों द्वारा 02 जुलाई 2025 से 30 अक्टूबर 2025 तक रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा।

उन्होंने जनपद में संचालित शिक्षण संस्थाओं को यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत उच्च कक्षाओं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं अन्य पिछड़े वर्ग पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा (11-12) के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान के संबंध में समय सारणी के अनुसार कार्यवाही संचालित की जाए।

किसान एकता महासंघ की दनकौर सालारपुर अंडरपास पर हुई महापंचायत

दनकौर (चेतना मंच)। किसान एकता महासंघ के बैनर तले राष्ट्रीय संरक्षक बाली सिंह व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व महापंचायत का आयोजन किया गया पंचायत की अध्यक्षता चौधरी धन्नी सिंह भाटी मल्हपुर व संचालन अरविंद सेक्रेटरी ने किया।

इस संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजेंद्र चौहान ने बताया पूर्व निर्धारित प्रोग्राम के तहत सुबह 10.00 बजे से ही किसान सलारपुर अंडरपास पर एकत्रित होने लगे करीब 11.00 बजे किसानों ने अपनी पंचायत शुरू कर शाम 6.00 बजे तक पंचायत चलाई पंचायत में 6ः00 बजे तक किसानों के बीच यमुना प्राधिकरण व पुलिस प्रशासन की तरफ से कोई अधिकारी किसानों की समस्या सुनने नहीं पहुंचे नाराज किसानों ने महापंचायत को अनिश्चितकालीन धरने में तब्दील कर दिया देर रात करीब 10.30 बजे के करीब यमुना विकास प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह पुलिस प्रशासन से एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा पुलिस बल के साथ धरना स्थल पर पहुंचे करीब एक घंटा किसानों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों के बीच बिंदुवार चर्चा हुई किसानों ने आबादी निस्तारण, बैक लीज, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, रोजगार, चिकित्सा,शिक्षा आदि नो 9 सूत्रीय मांग पत्र अधिकारियों को सोपा अधिकारियों द्वारा किसानों को 11 अगस्त को यमुना प्राधिकरण सभागार में सीईओ राकेश कुमार से वार्ता की तिथि निर्धारित की गई इसके बाद अधिकारियों के विशेष अनुरोध पर अनुरोध पर रात्रि 11.30 बजे अनिश्चितकालीन धरना स्थगित किया इस मौके चौधरी बाली सिंह,रमेश कसाना,किसान नेता हरवीर नागर, राजवीर ठेकेदार,इंद्रपाल सिंह, नीरज सरपंच,रवि नागर,प्रभु नागर,जग्गी पहलवान,नरेश चपरगढ ,डॉ जाफर खान,अमित नागर, सावित्री देवी,मांगेराम,कर्मवीर भाटी,नूरुल ,समीम,अजय कुमार हापुड़,जितेंद्र चौधरी,रॉबिन चौधरी, संजीव बालियान ,रजपाल भगत, नेपाल सिंह,बलजीत ठेकेदार सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पी-3 गोलचक्कर के पास डेढ़ साल से टूटी सीवर लाइन बीमारी का खतरा बढ़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

प्राधिकरण के समक्ष पी-3 गोलचक्कर के पास लंबे समय से टूटी सीवर लाइन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। एक्टिव सिटीजन टीम के मुताबिक, पिछले 18 महीनों से सीवर लाइन टूटी हुई है, जिसके चलते प्रतिदिन लगभग 50-60 एमएलडी गंदा पानी सेक्टरों की सड़कों पर बह रहा है। इसमें से करीब 40 प्रतिशत गंदा पानी सीधा लोगों के घरों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंच रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस गंदगी की वजह से बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। वहीं शहर के अन्य हिस्सों में भी सीवर लाइनें धंसने लगी हैं। आरोप है कि सीवर विभाग के ठेकेदारों की लापरवाही से ये समस्याएं बढ़ रही हैं और अधिकारियों द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है।

सवाल यह है कि जब शहर की मूलभूत व्यवस्थाएं ही चरमरा गई हैं, तो फिर स्वास्थ्य और स्वच्छता के नाम पर योजनाएं ज़मीनी स्तर पर कैसे सफल होंगी? नागरिकों ने चेताया है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन के लिए विवश होंगे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/उत्तर रेलवे, डीआरएम कार्यालय नई दिल्ली-110001 निम्नलिखित कार्य हेतु वन पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित करता है:-

कार्य का नाम और स्थान	DLI डिवीजन पर L-Xing के स्थान पर 2/4 लेन ROB के कार्य हेतु 25 केवी सिंगल फेज एसी का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और संशोधन कार्य। 1. DLI-SNP-UMB सेक्शन पर L-Xing 12,20,61 2. RE-ROK सेक्शन पर L-Xing 26 सी
कार्य की समाप्ति अवधि	12 महीने
कार्य की अनुमानित लागत	रु. 1,01,97,013.95/-
बयाना राशि (ऑनलाइन जमा की जानी है)	रु. 2,01,000/-
ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	निविदाएं दिनांक **21.08.2025** को 15.00 बजे तक IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती हैं। बोलीदाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, निविदाएं अपलोडिंग की समाप्ति के तुरंत बाद 21.08.2025 15:00 पर बजे खोली जाएंगी।
विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज	विस्तृत निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर **07.08.2025** से **21.08.2025** तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम व शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

निविदा संख्या 342/Dy.CEE/C/NDLS/2025-26 Dated: 30.07.2025 2322/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खास खबर

पाक सेना ने तीन आतंकवादियों को किया ढेर

करांची। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा इलाके की बाजौर जिले के 16 इलाकों में अचानक कर्फ्यू लगाकर पाकिस्तान सेना ने अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में गनशिप हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके चलते स्थानीय लोग मारे जा रहे हैं। अभी तक हुई कार्रवाई में पाक सेना का दावा था कि उसने तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तान सेना के आदेश पर बाजौर जिले के डिप्टी कमिश्नर ने आदेश निकालकर 29 जुलाई सुबह 5 बजे से लेकर 31 जुलाई की शाम 5 बजे तक 16 इलाकों में कर्फ्यू लगाने का ऐलान कर दिया है। इस बाबत जारी आदेश में बाजौर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा है कि इस अवधि में तमाम स्थानीय नागरिक ना तो अपने घरों से बाहर निकले और ना ही सड़कों पर कोई सवारी वगैरह आए क्योंकि सेना एक बड़ा अभियान चलाने जा रही है। जिन इलाकों के नाम दिए गए हैं उनमें आगरा.. लहारी.. जराय.. किटकोट.. तारखों ..कुरछाई.. इराब.. गिलाई.. नख्तर.. कलान आदि शामिल है। यह वे इलाके हैं जहां पर अलगाववादी संगठनों ने अपना पूरा कब्जा जमा लिया है। यहां तक की वहां की पुलिस चौकिया और राजस्व भवनों में भी अलगाववादी संगठनों का कब्जा कायम होता जा रहा है।

ईडी ऑफिस पहुंचे अभिनेता प्रकाश राज

हैदराबाद। अभिनेता प्रकाश राज से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेटिंग एप के प्रमोशन से जुड़े एक मामले में हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की। यह मामला अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है। बता दें कि मार्च में साइबराबाद पुलिस ने प्रकाश राज और कुछ अन्य अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस पर प्रकाश राज ने अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने 2017 में एक एप को प्रमोट करने का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लेकिन बाद में यह सही नहीं लगने पर उन्होंने समझौते का आगे नहीं बढ़ाया। वहीं ईडी इस मामले की गंभीरता से जाँच कर रही है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुल 29 सेलिब्रिटीज के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें कई टीवी एक्टर्स, टीवी होस्ट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स भी शामिल हैं।

31 जवानों भरी सेना की बस उत्तराखंड में पलटी

देहरादून। उत्तराखंड के गोपेश्वर में बड़ा हादसा सामने आया है। यहां सेना के 31 जवान को लेकर जोशीमठ से रायवाला जा रहा वाहन बुधवार की सुबह सोनला के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसमें गम्भीर रूप से चोटिल 9 आर्मी के जवानों को पुलिस द्वारा 108 एंबुलेंस और प्राइवेट गाड़ियों से कर्णप्रयाग चिकित्सालय भेजा गया है। इस घटना की जानकारी देते हुए बताया गया कि कुछ जवान सामान्य रूप से घायल है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया स्थिति पुलिस ने तत्काल घटना स्थल पर पहुँच कर घायल सेना के जवानों को अस्पताल पहुंचाया। जिलाधिकारी डाक्टर संदीप तिवारी ने बताया कर्णप्रयाग के उप जिलाधिकारी अस्पताल में घायलों को हाल चाल जानने के लिए पहुँच गये हैं।

मध्य प्रदेश में मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

▶ कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात, गुना में सेना बुलाई गई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) और दो ट्रफ लाइनों की सक्रियता के कारण भारी बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा सहित कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सड़कों पर पानी भर गया और रास्ते बंद हो गए। स्थिति को देखते हुए बुधवार को भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर और अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। बारिश के कारण गुना जिले में हालात इतने बिगड़ गए कि राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाना पड़ा। यहां के बमोरी इलाके के कलोरा गांव में डैम का वेस्ट वियर टूट गया, जिससे डैम ओवरफ्लो हो गया और आसपास के गांवों में पानी भरने की स्थिति बन गई। सेना और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य शुरू कर दिया है। कई निचली बस्तियों में चार फिट तक पानी भर गया है। यहां चचोड़ा क्षेत्र में सबसे अधिक बारिश हुई है। वहीं, म?याना रेलवे अंडर ब्रिज पर बुधवार को भी पानी भरा हुआ है। जिसके कारण गुना-अशोक नगर मार्ग बंद है। भिंड जिले में लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण सिंध, क्वारी और चंबल नदियां बुधवार को भी उफान पर हैं। विदिशा के ग्यारसपुर में दो बच्चे पानी के तेज बहाव में बह गए, हालांकि उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। वहीं, विदिशा के नहरयाई गांव में एक कच्चा मकान गिरने से 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इटारसी में तवा डैम के 9 गेट खोलकर 1 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। नर्मदा नदी पर बने ओंकारेश?वर बांध के 14 गेट खोल दिए गए हैं। भोपाल में कोलांस नदी के उफान के चलते बड़ा तालाब तेजी से भर रहा है और शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है। तवा डैम के पांच गेट 7-7 फीट तक खोल दिए गए।मुरैना में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा ढह गया। दमोह में ब्यारमा नदी के उफान पर आने से एक दंपति गांव में फंस गया, जिन्हें एसडीआरएफ ने सुरक्षित बाहर निकाला। रायसेन के कई कस्बों में पानी भर गया है। शिवपुरी के अधिकांश हिस्से में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। राजगढ़ जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से अजनार, नेवज और गाडगंगा सहित अन्य नदियां उफान पर है, वहीं मोहनपुरा डेम का लगातार जलस्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते मंगलवार शाम 17 में से डेम के छह गेट खोले गए।

राजस्थान में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात

जयपुर । राजस्थान में इनदिनों भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कोटा, टोंक, सवाई माधोपुर और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण घरों, दुकानों और सड़कों पर 5-5 फीट तक पानी भर गया है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि राजस्थान का मध्य प्रदेश से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया है। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर बोदल गांव में नेशनल हाईवे-552 पर बनी औगाड़ पुलिया बह गई है, जिससे सवाई माधोपुर-श्योपुर मार्ग बंद हो गया है। लगातार बारिश के कारण कई घरों में पानी घुस गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बने राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर पटरियां पानी में डूब गई हैं, जिससे ट्रेनों की गति धीमी हो गई है और यात्री परेशान हैं। वहीं कोटा के इटावा क्षेत्र में पार्वती नदी उफान पर है और उस पर बना नया पुल भी पानी में डूब गया है। इटावा-खातोली मार्ग पर स्टेट हाईवे-70 (कोटा-ग्वालियर-श्योपुर मार्ग) पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

एनसीआर में धोखाधड़ी करने वाले बिल्डरों पर सीबीआई की कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घर खरीदारों को धोखा देने वाले बिल्डरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के विरुद्ध 22 मामले दर्ज किए हैं। सीबीआई के मुताबिक इन कंपनियों के दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद सहित कई शहरों में 47 जगहों पर छापे भी मारे गए। इसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जब्त किए गए। पिछले कुछ सालों में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोतरी हुई। जिसके चलते खरीदारों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद

कोर्ट ने सीबीआई से मामले की जांच करने और बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया था। सीबीआई ने पहले 7 प्रारंभिक जांचें दर्ज की थीं, जिनमें से 6 की जांच पूरी कर अदालत में रिपोर्ट पेश की गई। फिर, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद सीबीआई ने 22 मामले दर्ज किए और तलाशी अभियान शुरू किया। इन मामलों में आरोप है कि बिल्डरों ने घर खरीदारों से पैसे तो ले लिए, लेकिन समय पर उनके फ्लैट्स या प्रोजेक्ट्स को पूरा नहीं किया। इसके अलावा वित्तीय संस्थान भी इन बिल्डरों की मदद कर रहे थे, ताकि ये धोखाधड़ी आसानी से हो सके। सीबीआई की जांच अभी जारी है। जिन कंपनियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, उनमें सुपरटेक, एवीजे डेवलपर्स, रुद्र बिल्डवेल, जियोटेक प्रमोटर्स, शुभकामना बिल्डटेक और अन्य कई अन्य कंपनिया शामिल हैं।

11 करोड़ नकदी समेत शराब की खेप जब्त

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में एसआईटी ने बुधवार को छापेमारी में 11 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। यह छापेमारी हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस पर की गई। यह कार्रवाई मामले के एक आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर की। कथित शराब घोटाले में ए-40 के रूप में सूचीबद्ध वरुण पुरुषोत्तम ने इसमें अपनी संलिप्ता को स्वीकार किया और कई अहम जानकारियां दी। उस आधार पर एसआईटी ने बुधवार को यहां छापा मारा, जिसमें हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस में बक्सों में छिपाकर रखी गई नकदी से संबंधित विवरण का खुलासा हुआ। एसआईटी ने शमशाबाद मंडल के काचरम स्थित सुलोचना फार्म गेस्ट हाउस से 11 करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं।

देश के कुछ हिस्सों में जनसंख्या में बदलाव टाइम बम की तरह : राज्यपाल

एजेंसी

गांधीनगर। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के कुछ हिस्सों की जनसंख्या में बदलाव को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ हिस्सों में आबादी का यह बदलाव टाइम बम की तरह है। इसका समाधान तलाशना होगा। वहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे राज्यों में भाषा को लेकर छिड़े विवाद के बीच उन्होंने कहा कि भारत की यह संस्कृति नहीं है कि भाषा के नाम पर लड़ाई हो। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी पर भाषा थोपनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश ने हमेशा बाहरी हमलों को झेला है, लेकिन जब हम अंदर की बात करते हैं तो देखना चाहिए कि इतिहास में क्या हुआ। गुजरात के गांधीनगर में मंगलवार को राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स को संबोधित करते हुए राज्यपाल रवि ने कहा कि क्या किसी को पिछले 30-40 सालों में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के कुछ हिस्से में जनसंख्या में हुए बदलावों की चिंता है? क्या आज कोई यह अंदाजा लगा सकता है कि आने वाले 50 सालों में इन इलाकों में देश के बंटवारे का काम नहीं होगा? पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि हमें कुछ इलाकों में बढ़ती संवेदनशील जनसांख्यिकी और उसके भविष्य पर एक अध्ययन करना चाहिए। यह समस्या एक टाइम बम की तरह है। हमें यह सोचना होगा कि भविष्य में हम इस समस्या से कैसे निपटेंगे। आज से ही इसका समाधान ढूंढना चाहिए।

गाजा के बिगड़े हालात को लेकर यूरोप देशों में हो रहा इजराइल का कड़ा विरोध

एजेंसी

एम्सटर्डम। गाजा में संघर्ष में हजारों बेगुनाह लोगों की मौत के चलते इजराइल का यूरोप में विरोध हो रहा है। एक तरफ फ्रांस ने फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है तो वहीं ब्रिटेन का कहना है कि जब तक गाजा में जंग नहीं रुकती है, तब तक वह भी ऐसे कदम पर विचार कर सकता है। वहीं नीदरलैंड ने भी इजराइल के विदेश मंत्री बेजालेल स्मॉट्रिक और सिक्योरिटी मिनिस्चर इतामार बेन ग्विर के प्रवेश पर बैन लगा दिया है। यूरोपीय देशों ने इजराइल के लिए रिसर्च फंडिंग में कटौती का ऐलान कर दिया है। इस तरह इजराइल अब अकेला पड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इजराइल का खुला समर्थन कर रहा है, लेकिन पश्चिमी देशों की तरफ से हाथ खींचा जाना चिंता की बात है। इजराइल ने फ्रांस के कदम पर आपत्ति जताई है। इजराइल का कहना है कि फिलिस्तीन को मान्यता देना तो हमास के आतंकवाद का समर्थन करना और उसे फंड देने जैसा है। वहीं यूरोपीय देश कह रहे हैं इजराइल गाजा में खाने पीने की चीजों को पहुंचने में रुकावट पैदा कर रहा है जिससे वहां के हालात बेहद अमानवीय हैं मासूम बच्चे भूख से मर रहे हैं।

अर्थशास्त्री लॉर्ड मेघनाद देसाई का निधन

गुरुग्राम। भारतीय मूल के विख्यात ब्रिटिश अर्थशास्त्री और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड मेघनाद देसाई का मंगलवार को 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। परिवार से जुड़े सूत्रों के अनुसार उन्होंने भारत के गुरुग्राम स्थित एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। लॉर्ड देसाई का शिक्षण और शोध का लंबा करियर रहा। उन्होंने 1965 से 2003 तक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र पढ़ाया। वे 1971 में ब्रिटेन की लेबर पार्टी से जुड़े और वर्ष 1991 में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य नामित किए गए। गुजरात के वडोदरा में जन्मे मेघनाद देसाई भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों के पक्षधर रहे।

सालाना 32 करोड़ पेड़ आकाशीय बिजली गिरने से हो रहे नष्ट

एजेंसी

म्यूनिख। ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि हर साल लगभग 32 करोड़ पेड़ केवल आकाशीय बिजली गिरने से मारे जा रहे हैं। यह आंकड़ा उन पेड़ों को छोड़कर है जो बिजली से लगी आग में जलकर नष्ट होते हैं। हाल ही में म्यूनिख की टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है। यह निष्कर्ष चौंकाने वाला है क्योंकि अब तक बिजली को केवल एक प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाता था, जिसके पर्यावरण पर इतने गंभीर असर की ओर ध्यान नहीं दिया गया था। इस अध्ययन में पहली बार बिजली गिरने के प्रभाव को इतने वैज्ञानिक तरीके से परखा गया है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने एक वैश्विक मॉडल

तैयार किया, जिसमें उन्होंने बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों को वनस्पति मॉडल से जोड़कर यह आकलन किया कि दुनिया के किन क्षेत्रों में यह समस्या सबसे ज्यादा है, कितने पेड़ इससे नष्ट होते हैं और इसका पर्यावरणीय असर कितना गहरा है। रिसर्च के प्रमुख लेखक एंड्रियास क्राउस ने बताया कि अब हम केवल यह नहीं जान पा रहे कि हर साल कितने पेड़ बिजली से मरते हैं, बल्कि यह भी समझ पा रहे हैं कि यह घटना किन इलाकों में सबसे ज्यादा होती है और इसका जंगलों की संरचना तथा कार्बन भंडारण पर क्या प्रभाव पड़ता है। बिजली गिरने से पेड़ों के मरने का सबसे गंभीर असर यह है कि जब ये पेड़ सड़ने लगते हैं, तो बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में पहुंचती है। रिसर्च के अनुसार, हर साल इस प्रक्रिया से 0.77 से 1.09 अरब टन सीओ2 वातावरण में पहुंच रही है। यह आंकड़ा जीवित पेड़ों के जलने से निकलने वाले कार्बन के लगभग बराबर है, जो लगभग 1.26 अरब टन है। हालांकि यह जंगल की आग से निकलने वाले कुल 5.85 अरब टन सीओ2 से कम है, लेकिन यह अब स्पष्ट हो चुका है कि बिजली गिरना भी एक बड़ा कार्बन स्रोत बनता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन की वजह से वैज्ञानिक मानते हैं कि आने वाले दशकों में बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अब तक यह अपेक्षाकृत कम थी।

दुबई में प्रवासी मजदूरों का जीवन जीना दूभर

▶ एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर

एजेंसी

दुबई। लग्जरी टावर और ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए मशहूर दुबई में हजारों प्रवासी मजदूरों का जीवन इन दिनों और कठिन हो गया है। प्रशासन ने अवैध रूप से पार्टिशन किए गए अपार्टमेंट्स और भीड़भाड़ वाले किराए के कमरों पर सख्ती शुरू कर दी है। यह कदम जून में दुबई मरीना की 67 मंजिला इमारत में लगी आग के बाद उठाया गया, जिसमें 3800 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला गया था। उस टावर के फ्लैट्स में औसतन सात-सात लोग रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया

गया है कि यह कार्रवाई सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए है। हालांकि, जिन मजदूरों पर इसका सीधा असर पड़ा है, उनके सामने अब समस्या खड़ी हो गई है। दुबई में किराए की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रियल एस्टेट फर्म एंगेल एंड वोल्कर्स के मुताबिक एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर है। वहीं, कम आय वाले इलाकों में पार्टिशन वाले कमरे 220 से 270 डॉलर में मिलते हैं और साझा बंक बेड की कीमत आधी होती है। ज्यादातर प्रवासी मजदूर अफ्रीका और एशिया से आते हैं। वे निर्माण, सुरक्षा, सफाई और डिलीवरी जैसे काम करते हैं और अक्सर 300 से 550 डॉलर मासिक कमाते हैं। कई अपने परिवार को पैसे भेजते हैं, जिससे खुद के लिए बहुत सीमित रकम बचती है। हाल में कई प्रवासी अवैध पार्टिशन अपार्टमेंट छोड़ने को मजबूर हुए। अब कुछ लोग 14 से 20 अन्य लोगों के साथ एक कमरे में रह रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें समझ नहीं आ रहा सरकार उनसे क्या चाहती है। बढ़ते किराए के कारण लीगल अपार्टमेंट लेना मुश्किल है और बेघर होने का डर सता रहा है।

85.5 लाख के जेवरातों की हुई चोरी

ठाणे। महाराष्ट्र में तीन नौकरानियों ने एक बुजुर्ग को झांसा देकर 85.5 लाख रुपए का सोना चुरा लिया। इन नौकरानियों ने तीन महीने तक इस चोरी को अंजाम दिया। इस दौरान सोने के आभूषण, बिस्किट और सिक्के चुराए। पुलिस ने तीनों नौकरानियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक नेरुल इलाके में एक बुजुर्ग के घर पर अप्रैल और जून के बीच चोरी हुई थी। तीनों महिलाएं इस दौरान उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थीं। पुलिस के मुताबिक आरोपी महिलाओं ने भरोसे का फायदा उठाया। उन्होंने करीब 900 ग्राम सोने के आभूषण, बिस्किट और सिक्के चुरा लिए। इनकी कुल कीमत 85,50,000 रुपए है।

तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को देगी आरक्षण

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। इन जातियों में करीब तीन लाख परिवार शामिल हैं, जो लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। अब तक इन जातियों को बीसी (ई) श्रेणी के अंतर्गत 4 फीसदी आरक्षण दिया गया था, लेकिन कानूनी विवादों और धार्मिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठे सवालों के चलते यह नीति प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाई। सरकार का मानना है कि इन जातियों को धर्म नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए। सरकार द्वारा कराए

गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक जाति सर्वे की रिपोर्ट फरवरी 2025 में सार्वजनिक हुई थी। इसमें सामने आया कि राज्य की कुल 12.58 फीसदी मुस्लिम आबादी में से 10.08 फीसदी पिछड़े हैं और सिर्फ 2.5 फीसदी मुस्लिक अन्य वर्ग में आते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि हैदराबाद के पुराने शहर में कई मुस्लिम महिलाओं ने गणनाकताओं से बातचीत नहीं की, जिससे मुस्लिम आबादी में 1-2 फीसदी की संभावित कमी आंकी गई है। सर्वे के आधार पर तेलंगाना विधानसभा ने मार्च में एक विधेयक पारित कर पिछड़ा वर्ग आरक्षण को 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकाय चुनावों में लागू होगी।

पृष्ठ एक के शेष....

ऑपरेशन क्लीन : एनकाउंटर में...

हाल ही में इन्होंने सेक्टर-51 के बी ब्लॉक में एक मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। यहां से यह 5 हजार रुपए, मोबाइल फोन व पानी की टोंटियां चोरी कर ले गए थे। इस संबंध में गत दिनों नीरज कटियार ने मुकदमा दर्ज कराया था। चोरी करने के अलावा दोनों आरोपी लूट की घटनाओं को भी अंजाम देते थे। उन्होंने बताया कि पकड़े गए गौरव पर जनपद गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में 10 तथा सौरव पर पांच मुकदमे पंजीकृत हैं।

4 से 14 दिनों के भीतर...

धरना स्थल पर ओएसडी क्रांति शेखर तथा पुलिस के एसीपी प्रवीण सिंह ने किसानों के साथ वार्ता की। लेकिन किसानों का कहना था कि बड़े अधिकारी उनसे वार्ता करें। शाम को नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में एसीईओ संजय खत्री के नेतृत्व में किसानों के साथ वार्ता की गई।

इस मौके पर संजय खत्री ने किसानों को अश्वासन दिया कि उनकी 5 फ़ीसदी भूखंडों तथा 10 फीसद अदालती आदेश के तहत मिलने वाला मुवावजा का निस्तारण चार दिनों से लेकर 14 दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।

इस वार्ता में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल, महाप्रबंधक अशोक कुमार अरोड़ा, उपमहा प्रबंधक (सिविल) विजय रावल, ओएसडी महेंद्र प्रसाद, क्रांति शेखर आदि अधिकारी मौजूद थे। जबकि भारतीय किसान यूनियन मंच की ओर से सुधीर चौहान, विमल त्यागी, राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक चौहान समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे। अशोक चौहान ने बताया कि एसीईओ के आश्वासन के बाद मीटिंग की मिनिट्स भी आज भारतीय किसान यूनियन मंच के पदाधिकारी को लिखित में सौंप दिए जाएंगे।

हुसैनीवाला पंजाब से...

उन्होंने बताया कि उनकी यह यात्रा 14 अगस्त को हुसैनीवाला से शुरू होगी और देर रात को मेरठ की क्रांति धरा पर पहुंचेगी। जहां सभी यात्री 1857 की क्रांति के नायक मंगल पांडे और धन सिंह कोतवाल को नमन करेगी। उसके बाद यात्रा 15 अगस्त की प्रात॒ 8 बजे लाल कुआ पहुंचेगी। जहां से राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत एवं रौंगटे खड़े कर देने वाली विभिन्न झांकियों और देश भक्ति गीतों के साथ शहीदों की रज से भरे कलश हाथ में लेकर पद यात्रा के रूप में आगे बढ़ेंगे। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग यात्रा में शामिल होंगे।

जोकि शहीदों की रज के कलशों को नमन कर सकेंगे और उन्हें हाथ में लेकर पद यात्रा का हिस्सा बनेंगे। संस्था द्वारा राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत इस 'प्रेरणा यात्रा' को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के तमाम सामाजिक, राजनैतिक, बुद्धिजीवियों व युवाओं को आमंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठन भी इस यात्रा में सहयोगी की भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक सुधीर वत्स, संयोजक संदीप भाटी, महासचिव परमानंद कौशिक, याकूब मालिक, जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा एडवोकेट, आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे। शहीद स्तंभ तक लाया जाएगा। ताकि अपने युवा साथियों और आने वाली पीढियों को शहीदों के प्रति एवं राष्ट्र प्रेम के लिए प्रेरित कर सकें।

किशोरी को भगा..

पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस किशोरी की बरामद की और आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

महिला मित्र ने दोस्तों....

मारपीट में उसके कंधे में गहरी चोट आई इसके बाद सोनिया सहित अन्य लोग उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। दो-तीन दिन पूर्व आकाश ने मारपीट के आरोप में अजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

ओवल में सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम यहां गुरुवार से यहां द ओवल मैदान में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे पांचवे ओर अंतिम क्रिकेट टेस्ट को जीतकर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। मैनचेस्ट में हुए चौथे टेस्ट के अंतिम दिन शानदार बल्लेबाजी कर मैच बचाने से भी भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा है। कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय बल्लेबाज अच्छी लय में हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर मेजबानों पर दबाव डालना रहेगा। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसे इसे बराबरी पर आने के लिए ये मैच जीतना जरुरी है। भारतीय टीम जहां इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपने नाम कर सीरीज पर 3-1 से कब्जा करना चाहेगी। इस सीरीज में अब तक के मैच बेहद रोमांचक रहे हैं। भारतीय टीम दोनो ही बार करीबी अंतर से हारी है। लॉर्ड्स में उसे 22 रनों से हार का सामना करना पड़। वहीं ड्रॉ रहे मैनचेस्टर टेस्ट की दूसरी पारी में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों ने शतक लगा दिये। इसमें कप्तान शुभमन के अलावा रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे। इस मैच में बुमराह के नहीं होने से युवा आकाशदीप सिंह को उनकी जगह शामिल किया जाएगा। वहीं मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। वहीं कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाशदीप ने अभ्यास के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में आकाशदीप ने दस विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। लॉड्र्स में हालांकि वह निरंतरता बनाए नहीं रख पाये। उन्होंने केवल एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल हालातों में आकाशदीप को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। अब तक इस सीरीज में भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज को आजमाया पर कोई भी प्रभावित नहीं कर पाया। कृष्णा, दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि शार्दुल और कंबोज को ओल्ड ट्रैफर्ड में अपने पहले स्पैल के बाद कम ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। वहीं दूसरी और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की टीम में चार बदलाव हुए हैं। जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। वहीं स्टोक्स के बाहर होने से कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप संभालेंगे। टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

भारतीय टीम	इंग्लैंड टीम
शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कम्बोज, अर्शदीप सिंह!	ओली पोप (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग।

ब्राजील ने उरुग्वे को 5-1 से रौंदा, फाइनल में किया प्रवेश

महिला कोपा अमेरिका

एजेंसी

क्विटो। कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूनामेंट 2025 के सेमीफाइनल में ब्राजील ने उरुग्वे को 5-1 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही ब्राजील ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। मैच में ब्राजील की ओर से अमांडा गुटिरेस ने दो गोल दागे और शानदार प्रदर्शन किया। शनिवार को होने वाले फाइनल में ब्राजील का मुकाबला कोलंबिया से होगा। यह 2022 के फाइनल की पुनरावृत्ति होगी, जिसमें ब्राजील ने जीत दर्ज कर अपना आठवां खिताब हासिल किया था। 24 वर्षीय गुटिरेस ने कहा, हम बहुत खुश हैं, यह मेरा पहला फाइनल है। यह हमारे कोच के साथ की गई कड़ी मेहनत का नतीजा है। कोलंबिया एक मजबूत टीम है, लेकिन हम ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। गुटिरेस ने मैच की शुरूआत में 11वें मिनट में मार्ता की शानदार क्रॉस पर हेडर के जरिए पहला गोल किया। दो मिनट बाद ही जिओ गारबेलिनी ने ढीली पड़ी गेंद को नेट में डालते हुए ब्राजील की बढ़त 2-0 कर दी। उरुग्वे की ओर से बेलन एक्विनो का एक शॉट क्रॉसबार से टकराया और गोल में तब्दील नहीं हो सका। इसके बाद 27वें मिनट में मार्ता ने पेनल्टी के जरिए टूनामेंट का अपना पहला गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।उरुग्वे को 51वें मिनट में ब्राजील की खिलाड़ी ईसा हास के आत्मघाती गोल से थोड़ी राहत मिली, लेकिन 65वें मिनट में गुटिरेस ने फ्री किक पर शानदार गोल कर ब्राजील की बढ़त फिर से तीन गोल की कर दी। मैच के अंतिम क्षणों में सब्स्टीट्यूट डुडिन्हा ने 86वें मिनट में गोल कर स्कोर 5-1 किया और ब्राजील की जीत की कहानी को मुकम्मल कर दिया।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा कहा, मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके पास आर अश्विन जैसा गेंदबाजी कौशल है। मुझे नहीं पता कि वह एक दिन उस जैसा गेंदबाज बनेगा या नहीं, लेकिन वह अभी जो कर रहा है वह काफी अच्छा है।

मुरली की नजरें विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर की नजरें अब सितंबर में टोक्यों में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। इसके लिए वह अगले माह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूनामेंट खेलेंगे । श्रीशंकर ने हाल ही में पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूनामेंट में माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की छलांग के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर कीछलांग लगाई। तीसरी छलांग में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला तय किया। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है।

टीएनसीए में चंद्रशेखर ने बनाया रिकार्ड

चेन्नई । यहां तमिलनाडु क्रिकेट लीग (टीएनसीए) के फर्स्ट डिवीजन मुकाबले में सी हॉक्स टीम के बाएं हाथ के स्पिनर डीटी चंद्रशेखर ने एक नया रिकार्ड बना दिया। ग्लोब ट्रॉटर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में चंद्रशेखर ने केवल 37 रनों पर ही सभी 10 विकेट लेकर अपनी टीम को शानदा जीत दिलाई।चंद्रशेखर ने 5 ओवरों में ये विकेट लेकर मैच अपने पक्ष में कर दिया। इससे इस स्पिनर का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया। इससे पहले भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर एम वेंकटारमणा ने साल 1991-92 सत्र में इंडियन बैंक की ओर से सदर्न रेलवे के खिलाफ 96 रन देकर 10 विकेट लिए थे। चंद्रशेखर ने अपने इस प्रदर्शन को लेकर कहा है कि छह-सात विकेट लेने के बाद उनको लगा कि वे 10 विकेट ले सकते हैं।

खिलाड़ियों के मजबूत खेल भविष्य निर्माण के लिए प्रशिक्षकों का सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

रांची । झारखंड सरकार के खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय द्वारा दो दिवसीय Coaches Skill Development Program का आयोजन 30 जुलाई एवं 31 जुलाई, 2025 को मोरहाबादी स्थित जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी, रांची में किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मंत्री, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग सुखदेव कुमार ने किया। अपने उद्बोधन में मंत्री सुखदेव कुमार ने संरचनात्मक, प्रशासनिक और वित्तीय सहायता के माध्यम से खेलों का विकास सुनिश्चित करने में विभाग की प्रतिबद्धता और विभाग की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार खेलों के विकास हेतु प्रतिबद्ध है, परन्तु प्रशिक्षक और सहयोगी कार्मिक ही खिलाड़ियों की सफलता के स्तंभ निमार्ता होते हैं। खेल के प्रति उनकी गहरी समझ उनके प्रतिभागियों को उच्च स्तर तक पहुँचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय अनुरंजन चौधरी ने अपने संबोधन में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य पर विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम कर रहे प्रशिक्षकों को कुशल बनाना है, जिससे राज्य के खिलाड़ियों को प्रदान की जा रही प्रशिक्षण की गुणवत्ता में गुणात्मक वृद्धि हो सके। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में खेल प्रशिक्षण को विभिन्न तकनीकी और वैज्ञानिक पहलुओं पर आधारित कार्यशाला के माध्यम से कराया जाएगा प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ. इंदर प्रकाश नागी , गुरमुख सिंह (सीनियर कोच, साई मुख्य बॉलीबाल कोच), रमेश त्रिवेदी (उच्च प्रदर्शन विश्लेषक एवं खेल वैज्ञानिक), नितिन कुमार त्रिवेदी एवं संदीप श्रीवास्तव (खेल जीवविज्ञान एवं एथलेटिक्स विशेषज्ञ) प्रशिक्षण का कौशल सहभागिता में कार्य करेंगे। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड ओलंपिक संघ के पूर्व ओलंपियन मोहंदर सिंह, महासचिव हॉकी इंडिया मधुकर पाठक, महासचिव झारखंड ओलंपिक संघ एवं गुलाम रब्बानी, महासचिव, झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन शामिल हुए।

बुमराह के ओवल टेस्ट में खेलने की संभावना नहीं

एजेंसी

ओवल । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने की कोई उम्मीद नहीं है। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भले ही बुमराह को फिट बताया है पर उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम टेस्ट में उतारकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और लंबे समय तक खेलने को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से हैरान करने वाले फैसला नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, टीम प्रबंधन और चयनकताओं के साथ मिलकर पहले ही तय किया था कि वह इंग्लैंड दौरे पर पांच में से केवल 3 टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह ने तीन टेस्ट खेल लिए हैं, जिनमें से दो टेस्ट वे लगातार खेले हैं और इसका प्रभाव उनकी गेंदबाजी की गति पर भी देखा गया। बुमराह पहले टेस्ट में मैदान पर उतरे, जबकि एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर रहे। इसके बाद लंदन के लॉड्र्स में बुमराह ने वापसी की, वहीं इसके बाद उन्हें मैनचेस्टर में भी शामिल किया गया।। इस मैच में जसप्रीत बुमराह ने एक ही पारी में गेंदबाजी की, क्योंकि दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी नहीं आई। बुमराह ने 33 ओवर फेंके और बहुत कम गेंद उनकी 140 किमी प्रति घंटे से अधिक गति वाली रहीं। बुमराह ने चौथे टेस्ट के चौथे दिन की सुबह के बाद गेंदबाजी नहीं की। ऐसे में कहा जा रहा था कि 31 जुलाई से शुरू होने वाले आखिरी टेस्ट मैच में भी उनको शामिल किया जा सकत है क्योंकि भरतीय टीम सीरीज को बराबर करने लिए उनका प्रयोग करना चाहती है,पर उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर उनका आराम करना ही अधिक सही रहेगा। लगातार दो टेस्ट मैच खेलने पर भी पिच और काम के बोझ के कारण उनकी स्पीड कम रही।

ओवल में 54 रन बनाते ही रुट बनाएंगे रिकार्ड

एजेंसी

लंदन । भारत और इंग्लैंड के बीच यहां एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इसमें इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। रूट इस मैच में 54 रन बनाते ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीसी) में 6000 रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। रूट अभी डब्लूयटीसी में में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक खेले गए 68 मैचों में 5946 रन बनाए हैं। डब्लूयटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में अभी रुट के 68 मैच में 5946 रन हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के 55 मैच में 4278 व मार्नस लाबुशेन के 53 मैच में 4225 रन हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स के 57 मैच में 3616 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड के 52 मैचों में 3300 रन हैं। रूट के अलावा आज तक किसी भी खिलाड़ी ने डब्लूयटीसी में 5000 रन नहीं बनाये हैं। रूट और दूसरे स्थान पर मौजूद बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के बीच 1668 रनों का अंतर है। रूट के पास इस मैच में इंग्लैंड में भारत के खिलाफ 2000 टेस्ट रन बनाने का भी अवसर है। रूट ने अभी तक इंग्लैंड में भारत के खिलाफ खेले गए 19 टेस्ट में 1977 रन बनाए हैं। उन्हें अपनी धरती पर 2000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए 23 रन और बनाने हैं।

खास खबर

भव्य पुरोहित और युवराज फाइनल में पहुंचे

इंदौर । इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन द्वारा आयोजित रुसी पुनेगर स्मृति इंदौर जिला सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। भव्य पुरोहित और युवराज तिवारी ने पुरुष एकल के सेमीफाइनल में उलटफेर करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। महिला एकल में ओजस्वी भोमिया और आरोही शुक्ला खिताब के लिए भिड़ेंगी। नेहरू स्टेडियम बैडमिंटन हॉल में चल रही इस स्पर्धा में जूनियर खिलाड़ी भव्य पुरोहित ने पुरुष एकल के सेमीफाइनल में गत उपविजेता और शीर्ष वरीयता प्राप्त वत्सल सोमण को 22-20, 21-19 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में युवराज तिवारी ने नवनीत कंदारे को 21-11, 19-21, 21-15 से मात दी। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल में भी इन युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था; युवराज तिवारी ने दूसरे क्रम के चिनमय अग्रवाल को जबकि भव्य पुरोहित ने तीसरे क्रम के आस्टेन नथानैल को शिकस्त दी थी।

एवर्टन ने डिफेंडर आदम अजनोउ से किया करार

लंदन। इंग्लिश फुटबॉल क्लब एवर्टन ने 19 वर्षीय मोरक्कन अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर आदम अजनोउ को बायर्न म्यूनिख से साइन कर लिया है। बाएं फ्लैंक पर खेलने वाले अजनोउ ने क्लब के साथ चार साल का करार किया है। हालांकि ट्रांसफर फीस का आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह राशि लगभग 8 मिलियन पाउंड (लगभग 10.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मानी जा रही है। एवर्टन के कोच डेविड मोयेस ने रविवार को अमेरिका में खेले गए प्री-सीजन फ्रेंडली मुकाबले में बर्नमाउथ से हारने के बाद अजनोउ में रुचि होने की पुष्टि की थी। पिछले सीजन में अजनोउ ने बायर्न म्यूनिख की सीनियर टीम के लिए चार मुकाबले खेले थे, इसके बाद वह सीजन के दूसरे भाग में ला लीगा क्लब वायाडोलिड को लोन पर भेजे गए थे, जहां उन्होंने 13 मैचों में हिस्सा लिया। एवर्टन की आधिकारिक वेबसाइट पर अजनोउ ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ‘मैं यहां आकर बेहद खुश हूं और इस टीम का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं।

मिचेल को पहली बार मिली वनडे टीम में जगह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले वनडे और टी20 श्रृंखला के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। युवा ऑलराउंडर मिचेल ओवेन को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है, वहीं तेज गेंदबाज लांस मॉरिस की 50 ओवर प्रारूप में वापसी हुई है। टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मिचेल ओवेन को वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने उस सीरीज में 192.30 के स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए थे, जिसमें जमैका में पदार्पण मैच में अर्धशतक भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने पिछले वनडे कप सीजन में तस्मानिया की ओर से साउथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 69 गेंदों में 149 रन की धमाकेदार पारी खेली थी। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट टीम से बाहर किए गए मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम में बरकरार रखा गया है।

टेस्ट रैंकिंग्स में स्टोक्स और जडेजा की बड़ी छलांग

अभिषेक शर्मा बने नंबर-1 टी20 बल्लेबाज

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने हाल ही में खेले गए इंग्लैंड-भारत चौथे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग्स में बड़ी छलांग लगाई है। स्टोक्स ने टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग्स में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो दिसंबर 2022 के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। उन्होंने मैच में 141 रन की पारी के साथ पहली पारी में पांच विकेट भी झटके थे। इससे वे बल्लेबाजों की सूची में आठ स्थान चढ़कर 34वें और गेंदबाजों में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने 107 रन की जुझारू पारी और चार विकेट की मदद से ऑलराउंडर रैंकिंग्स में शीर्ष पर अपनी बादशाहत और भी पुख्ता कर ली है। वे अब 422 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर मौजूद बांग्लादेश के मेहदी हसन से 117 अंक आगे हैं। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान चढ़कर 29वां स्थान और गेंदबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वां स्थान हासिल किया है। इंग्लैंड के जो रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में 150 रन की शानदार पारी खेली, जिससे वे बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 37 अंकों की बढ़त बनाए हुए हैं। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट पांच स्थान ऊपर चढ़कर 10वें और जैक क्रॉली दो स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ओली पोप भी एक स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। भारत के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर, जिन्होंने जडेजा के साथ 203 रनों की नाबाद साझेदारी की और 101 रन बनाए, आठ स्थान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने दो विकेट भी लिए और ऑलराउंडर लिस्ट में भी आठ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाज जॉफ्रा आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में लौटते हुए तीन विकेट लिए और गेंदबाजों की रैंकिंग में 38 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, क्रिस वोक्स एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गए हैं। भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पहली बार आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड, जो पिछले एक साल से टॉप पर थे, वेस्ट इंडीज सीरीज में नहीं खेले और उनकी रैंकिंग गिर गई। ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ 172 रन बनाए और छह स्थान ऊपर चढ़कर 9वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, टिम डेविड 12 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें और कैमरन ग्रीन 64 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वेस्ट इंडीज के ब्रैंडन किंग नौ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष सात में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड के जैकब डफी पहले स्थान पर कायम हैं।

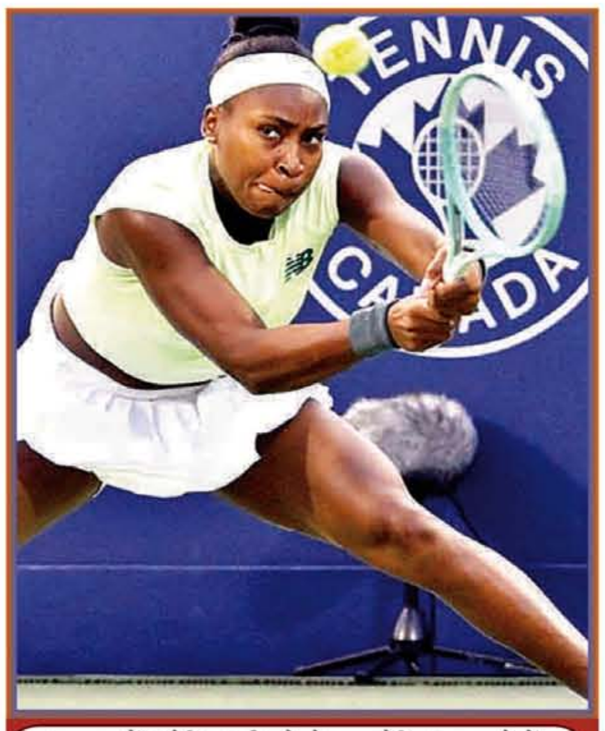

कनाडा में अमेरिका की कोको गाफ टेनिस मुकाबले में रिटर्न शॉट लगाती हुई।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

ये आदतें दिलाएंगी आईएएस में सफलता

कोई परीक्षा कितनी टफ है, यह जानने के लिए उसके सक्सेस रेशो को देखना चाहिए। इस मापदंड से सिविल सर्विसेज एग्जाम या आईएएस एग्जाम को सबसे कठिन परीक्षा कहा जा सकता है। इसका सक्सेस रेशो 0.01 प्रतिशत है! ऐसी परीक्षा में सफलता पाने के लिए केवल प्रतिबद्धता, तैयारी और किस्मत ही काफी नहीं होती। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि उम्मीदवार आईएएस की तैयारी को अपनी जीवनशैली ही बना डाले।पहले-पहल यह बहुत बोझिल लग सकता है लेकिन यदि आप आईएएस परीक्षा को क्लियर करने को लेकर समर्पित और गंभीर हैं, तो इसकी तैयारी का इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है। आईएएस की तैयारी को अपनी जीवनशैली में शामिल करने के लिए जरूरी है कि आप इन दस आदतों को अपना लें।

प्रतिबद्धता और समर्पण

आईएएस परीक्षा में सफलता का सफर बहुत लंबा और मुश्किल है। आपकी प्रतिबद्धता ही इस सफर को पूरा करने में आपके काम आएगी। आपके सामने ऐसी कई चुनौतियां और समस्याएं आएंगीं, जिनसे आपके कदम डगमगा सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हैं, जिन्होंने आईएएस की तैयारी में 5 से 7 साल लगा देने का बाद सामाजिक दबाव या फिर लगातार नाकामी के चलते हार मान ली। ऐसी तमाम चुनौतियों के बावजूद, यह भी सच है कि हर साल मुट्ठी भर उम्मीदवार अपनी इच्छाशक्ति के बल पर इस परीक्षा को क्रैक कर ही लेते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपको खुद पर विश्वास हो और अपने लक्ष्य के प्रति आपमें समर्पण हो।

अगर आप आईएएस परीक्षा में सफलता पाना चाहते हैं, तो आपको यह बताने की जरूरत नहीं कि पढ़ाई के लिए टाइमटेबल बनाना कितना जरूरी है। आपका टाइमटेबल ऐसा हो, जो पढ़ाई के घंटों, आराम, फिजिकल एक्टिविटी और सोशल लाइफ सभी के बीच संतुलन बनाकर चले। सारा समय सिर्फ पढ़ाई करते रहने से एकरसता आ जाएगी और पढ़ाई में आपका मन ही नहीं लगेगा। इसके साथ ही, आप दो-तीन अलग-अलग टाइम शेड्यूल बना लें, जिनमें आपकी पढ़ाई के दैनिक, साप्ताहिक और मासिक लक्ष्य निर्धारित हों। इससे आप अपनी तैयारी की निगरानी कर पाएंगे और जहां जरूरी हो, वहां सुधार ला पाएंगे।

कॉन्सेप्ट क्लियर रखें

आईएएस परीक्षा का सिलेबस बहुत वृहद है और किसी विषय की पूरी लंबाई-चौड़ाई नाप डालता है। ऐसे में कई उम्मीदवार तथ्यों को रट लेते हैं, बजाय उनका कॉन्सेप्ट समझने के। यह तरीका बिल्कुल गलत है। हमारी याददाश्त केवल एक सीमित डेटा ही स्टोर कर सकती है और यह भी समय के साथ धूमिल पड़ती जाती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप जो भी पढ़ें, उसकी मूल अवधारणा को गहराई से समझें। अगर आप किसी टॉपिक को अच्छी तरह समझ लेंगे, तो उससे जुड़ी तमाम जानकारी अच्छी तरह याद भी रख पाएंगे।

राइटिंग स्किल विकसित करें

कई आईएएस उम्मीदवार केवल प्रिलिमिनरी एग्जाम पर ही फोकस करते हैं, जोकि ऑब्जेक्टिव टाइप परीक्षा है। शुरू-शुरू में यह रणनीति सही लग सकती है लेकिन आगे चलकर आपको अहसास होगा कि यह गलत है। आईएएस की मेन परीक्षा परंपरागत सब्जेक्टिव टाइप परीक्षा है, जिसमें आपको हाथ से उत्तर लिखने होंगे। इसलिए अगर आप मेन परीक्षा में भी सफल होना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप प्रिलिम्स स्तर से ही अपनी राइटिंग स्किल में निखार लाना शुरू कर दें। कई जानकारों का मत है कि लिखकर पढ़ाई करना न सिर्फ तथ्यात्मक सूचनाओं को याद रखने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है, बल्कि यह उत्तरों का फॉर्मेट विकसित करने में भी मददगार है, जोकि मेन परीक्षा में लाभ देता है।

अखबारों से दोस्ती

अखबार किसी आईएएस उम्मीदवार के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं। आपको रोज अखबार पढ़ने की आदत डालनी ही चाहिए। मगर इतना ही काफी नहीं है। आपको उन टॉपिक्स की पहचान भी होनी चाहिए, जिन पर आपको ज्यादा फोकस करना है। अखबार पढ़ना शुरू करने से पहले खुद से पूछें कि आपको क्या पढ़ना चाहिए, क्यों पढ़ना चाहिए और कहां पढ़ना चाहिए। इस प्रकार आप वही पढ़ेंगे, जो पढ़ना जरूरी है और रोज-ब-रोज आवश्यक सूचनाएं इकट्ठी करते चलेंगे।

सरकारी वेबसाइट्स पर नजर

अधकिांश आईएएस उम्मीदवारों का इस बात पर ध्यान ही नहीं जाता कि सरकारी वेबसाइट्स नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों, डेटा और रिपोर्टों का सरल, सुगम स्रोत हैं। इन वेबसाइट्स का अध्ययन कर आप जो सूचनाएं पाएंगे और जो समझ विकसित करेंगे, वह प्रिलिम्स और मेन्स दोनों में लाभदायक रहेगी।

क्वॉलिटी डिस्कशन

किसी आईएएस उम्मीदवार को अपने साथी उम्मीदवारों और टीचर्स व कोचिंग इंस्ट्रक्टर्स के साथ स्वस्थ और उच्च कोटि के डिस्कशन करते रहना चाहिए। इन चर्चाओं में किसी एक टॉपिक पर फोकस करें, उसे अलग-अलग नजरियों से देखें और अपनी बात को प्रामाणिक डेटा के आधार पर आगे बढ़ाएं। किसी टॉपिक पर अलग-अलग नजरिये सामने आने पर आप परीक्षा में अधकि संतुलित और परिपूर्ण उत्तर दे पाएंगे। ऐसे किसी डिस्कशन ग्रुप का सदस्य बनने से पढ़ाई के लिए प्रेरणा भी मिलती रहती है। साथ ही इससे इंटरव्यू की तैयारी में भी मदद मिलती है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग एटिट्यूड

परीक्षा में सफल होने के लिए ही नहीं, आईएएस अधिकारी के रूप में काम करने के दौरान भी आपको प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल की दरकार होगी। आपके सामने कई चुनौतियां आएंगीं, जिनसे आपको नई-नई तकनीकों से निपटना होगा। आपको वृहद सिलेबस को पढ़ने, टाइम मैनेजमेंट, संसाधनों, पियर प्रेशर, समाज के प्रेशर आदि की चुनौतियों से जूझना पड़ सकता है। ऐसी स्थितियों में आपका प्रॉब्लम सॉल्विंग एटिट्यूड ही काम आएगा।

अपने टीचर खुद बनें

आईएएस की तैयारी करना बहुत लंबा और थका देने वाला काम है। इसका सिलेबस मानो लगातार बढ़ता जाता है और समय लगातार कम होता जाता है। ऐसे में किसी एक टीचर, गाइड, मेंटर या किसी एक कोचिंग क्लास मटेरियल पर निर्भर रहने से बात नहीं बनने वाली। आपको खुद अपना टीचर बनना होगा। आप खुद ही प्रश्न तैयार करें और रेफरेंस तथा स्टडी मटेरियल के इस्तेमाल से उनके उत्तर तलाशें। टीचर और स्टूडेंट दोनों की भूमिकाएं खुद निभाने से आपके भीतर आत्मविश्वास का भी संचार होगा, जो परीक्षा में और उसके बाद भी काम आएगा।

स्वस्थ जीवनशैली

'केवल काम, नहीं आराम' की नीति आईएएस की तैयारी में कारगर नहीं हो सकती। ढेर सारी किताबों के साथ खुद को कमरे में बंद करके आज तक कोई आईएएस परीक्षा क्लियर नहीं कर पाया है। आपको अपने स्वास्थ्य, मनोरंजन तथा सामाजिक जीवन पर भी ध्यान देना चाहिए। योग, ध्यान या फिर रनिंग, स्पोर्ट्स आदि के लिए रोज समय जरूर निकालें। पौष्टिक भोजन और रोज कम से कम 8 घंटे की नींद लें। परिवार के साथ तो समय बिताएं ही, ऐसे दोस्त भी बनाएं जिनके लक्ष्य आपसे मिलते-जुलते हों। इससे आपका फोकस बना रहेगा और आपको प्रेरणा मिलती रहेगी।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

ओह माय... 2 फेम डायरेक्टर अमित राय के साथ फिर काम कर रहे हैं पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी ने अपनी ओह माय गॉड 2 फिल्म के डायरेक्टर अमित राय के साथ री-यूनियन किया है। उस फिल्म का नाम धर्मा है। फिल्म में 300 से ज्यादा डॉग्स का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म की शूटिंग असम और बिहार में हुई है। धर्मा प्रकृति और इंसान के बीच सह-अस्तित्व की कहानी बयां करती है। फिल्म के निर्माण में भी भव्यता का पूरा ध्यान रखा गया है। फिल्म को हॉलीवुड के एक्शन स्टैंडर्ड्स तक ले जाने के लिए प्लैनेट ऑफ एप्स, जस्टिस लीग और एवेंजर्स जैसी ब्लॉकबस्टर हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन डायरेक्टर की सेवाएं भी ली गई हैं। धर्मा में पंकज के अलावा मुंबई के एक बाल कलाकार की भी मुख्य भूमिका है।

धर्मा सिर्फ एक एक्शन ड्रामा नहीं, बल्कि एक इमोशनल कहानी भी है। यह इंसान और जानवर के बीच के रिश्ते से कहीं बढ़कर व्यापक स्तर का विषय समेटे हुए है। सिनेमेटोग्राफी के लिए ऑस्कर-विनर फिल्मों में काम कर चुके हंगेरियन डीओपी माटे हर्बाई को शामिल किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इतनी बड़ी फिल्म के लिए अधिकतक क्रू और टेक्नीशियन बाहर से हैं। मेकर्स का मानना है कि विश्व-स्तरीय टेक्निकल क्रू की मदद से फिल्म को शानदार विजुअल स्पेक्टेकल बनाया जा सकता है। इसी सोच के साथ धर्मा के लिए वर्ल्ड क्लास के क्रू मेंबर्स को एक साथ लाया गया है।

पोस्ट-प्रोडक्शन का काम लगभग पूरा

पंकज की इस फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन लगभग पूरा हो चुका है और एडिट लॉक हो रहा है। रिलीज की डेट तय नहीं हुई है, जिसे जार पिक्चर्स तय करेंगे। वही इसके प्रोड्यूसर हैं। सूत्रों ने इस फिल्म के डायरेक्टर अमित के आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया कि वे अगली फिल्म ओह माय गॉड 3 पर काम करेंगे, जिसकी कहानी लिखी जा चुकी है। हालांकि, अक्षय कुमार की डेट्स या टीम के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है, क्योंकि अक्षय ही फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं और वही सब कुछ तय करेंगे। मुख्य किरदार अक्षय का ही रहेगा, लेकिन बाकी कलाकारों के बारे में अभी तय नहीं हुआ है।

साई पल्लवी की हिंदी डेब्यू एक दिन की आई रिलीज डेट

ज़ुनैद ख़ान के संग जमेगी जोड़ी

साई पल्लवी इन दिनों निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रामायण में साई माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन इस फिल्म से पहले साई फिल्म एक दिन से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली है। इसकी रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। जानिए कौन है उनका को-स्टार...

पहली बार साथ नजर आएंगे जुनैद और साई

खबर के मुताबिक, साई पल्लवी अपनी पहली बॉलीवुड रोमांटिक ड्रामा फिल्म एक दिन से हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान के बेटे जुनैद खान नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे करेंगे। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत किया जा रहा है। इस फिल्म के सह-निर्माता मंसूर खान हैं।

एक दिन कब होगी रिलीज

आखिरकार, साई पल्लवी और जुनैद खान की एक साथ पहली फिल्म एक दिन को इसकी रिलीज डेट मिल गई है। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह जुनैद की साई पल्लवी के साथ पहली फिल्म है।

साई का वर्कफ्रंट

एक दिन के अलावा साई पल्लवी निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, यश और सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रामायण का पहला भाग दिवाली 2026 में रिलीज होगा। इस फिल्म में यश-रावण, सनी देओल-हनुमान, रवि दुबे-लक्ष्मण, साई पल्लवी-माता सीता और रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म से रणबीर कपूर का लुक शेयर किया गया था, जिसे देखने के बाद प्रशंसकों की उम्मीदें फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई हैं।

मेगा फिल्म में नजर आएगी रणवीर सिंह-श्रीलीला और बॉबी देओल की तिकड़ी

रणवीर सिंह इन दिनों आगामी फिल्म धुरंधर की तैयारियों में व्यस्त हैं। वहीं, बॉबी देओल को हरि हर वीर मल्लु में देखा जा रहा है। इस बीच खबर है कि रणवीर सिंह और बॉबी देओल को जल्द ही मेगा बजट फिल्म में साथ देखा जाएगा। इस फिल्म में श्रीलाला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सितारों की यह तिकड़ी पहली बार किसी प्रोजेक्ट में नजर आएगी। रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल के इस प्रोजेक्ट का टाइटल जल्द रिवील किया जाएगा। इसी के साथ फिल्म का फर्सट लुक जारी करने की भी तैयारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि टाइटल का एलान अगले हफ्ते तक कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल की यह फिल्म प्रशंसकों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी।

एक्शन, ड्रामा के साथ दिखेगी स्टार पावर

फिलहाल फिल्म में कलाकारों की कास्टिंग ने ही काफी चर्चा बटोरी है। तीनों सितारों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। माना जा रहा है कि यह फिल्म एक जबर्दस्त कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म साबित होगी। इसमें एक्शन, ड्रामा और स्टार पावर का तड़का देखने को मिलेगा।

सलाकार में मेरा किरदार अब तक का सबसे अलग

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है। निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

धनुष ने साझा किया किस्सा, रांझणा के लिए कैसे कास्ट हुए?

साउथ के सुपरस्टार धनुष आज एक बड़ा नाम हैं। आज वह अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में अच्छा काम किया है। धुनष ने साल 2013 में फिल्म रांझणा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि धनुष ने बहुत मुश्किल से इस फिल्म में काम किया था। हाल ही में धनुष ने बताया है कि उन्हें इस फिल्म में किस तरह लिया गया। उनके मुताबिक कम बजट की वजह से उन्होंने इस फिल्म को लगभग ना कह दिया था।

रांझणा में धनुष को लेना चाहते थे आनंद एल राय

हाल ही में स्क्रीन के साथ बातचीत में धनुष ने बताया उस समय, उनके पास मुझे मुख्य अभिनेता के रूप में लेने के लिए बजट नहीं था। लेकिन इस आदमी (आनंद एल राय) का जुनून इतना ज्यादा था कि वह चाहते थे कि मैं कुंदन का किरदार निभाऊं। वह किसी भी अभिनेता को यह किरदार दे सकते थे और वह खुशी-खुशी मान जाता। आखिरकार, यह इतना शानदार किरदार है।

आनंद एल राय ने अपने पैसे से धनुष को कास्ट किया

फिल्म में धनुष जिस किरदार की बात कर रहे थे वह कुंदन का किरदार है। यह किरदार वाराणसी का एक आशिक मिजाज लड़का था। जिसका जुनून और दिल टूटना उसे आखिरकार राजनीति की दुनिया में खींच ले जाता है। धनुष ने बताया कि फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय ने कुंदन के किरदार के लिए बहुत मेहनत की। उन्होंने कहा उन्होंने हर मुश्किल का सामना किया। मुझे नहीं पता कि मुझे ये कहना चाहिए या नहीं, और मुझे इसकी परवाह भी नहीं! उन्होंने अपना पैसा भी लगाया। उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी (मुझे कास्ट करने के लिए)। उन्होंने मुझमें कुंदन देखा और अपने विजन पर अडिग रहे। यह फिल्म आनंद एल राय के निर्देशन करियर का एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। रांझणा के बाद, धनुष और आनंद एल राय ने फिल्म अतरंगी रे में साथ में काम किया। दोनों फिल्म तेरे इश्क में पर भी साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है।

कान्स हमारी फिल्मों की क्वालिटी का पैमाना नहीं है...

रॉक ऑन, मिडनाइट चिल्ड्रन, फिराक जैसी फिल्में हों या अ सूटेबल बॉय और बॉम्बे बेगम्स जैसी वेब सीरीज, कलाकार शहाना गोस्वामी ने हमेशा अपनी अलग छाप छोड़ी है। बीते साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म संतोष से धमाल मचाने वाली शहाना इन दिनों इंडियन ऑस्ट्रेलियन रोमांस ड्रामा फोर इयर्स लेटर को लेकर चर्चा में हैं।

आप पर्दे पर ज्यादातर सशक्त और कॉम्प्लेक्स किरदारों ही नजर आती है। कभी आपका मन नहीं किया कि वो स्विटजरलैंड में शिफॉन की साड़ी लहराने वाले रोल भी करूं?

बिल्कुल यार, मैं तो बचपन में शीशे में देखकर यही सब करती थी। सूरज हुआ मध्यम गाने पर स्लो मोशन में अपने बाल झटकना या नाचना..., नाचना तो वैसे भी मेरा शौक है तो ऐसे रोल जरूर करना चाहूंगी। मेरा भी बहुत मन है, मगर लोगों की शायद सोच ऐसी है कि वे मुझे उन कॉम्प्लैक्स स्ट्रॉन्ग लड़कियों के रोल में ही देखते हैं। हालांकि, एक ट्रॉफी हीरोइन, जिसमें सिर्फ नाच गाना हो, वैसा किरदार मुझे शायद पसंद नहीं आएगा, मगर कोई अच्छी कमर्शल फिल्म हो, जैसे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी तो मैं जरूर करना चाहूंगी।

बॉम्बे बेगम्स या अ सूटबल बॉय जैसी सीरीज में फ्लॉड किरदार, जो समाज की नजर में गलत/अनैतिक हैं, उन्हें निभाते वक्त क्या अप्रोच रहता है? उनको जजमेंट से कैसे दूर रखती हैं?

कोई भी किरदार निभाते वक्त मेरी एक ही कोशिश होती है कि वो ज्यादा से ज्यादा रियल हो और असल में कोई भी इंसान पूरी तरह ब्लैक या वाइट नहीं होता। दुनिया में कोई भी सिर्फ सही या गलत नहीं होता। हर किसी में खूबियां भी होती हैं, खामियां भी होती हैं। जब आप उन खामियों को दिखाते हैं, स्वीकारते हैं तो आपकी खूबियां और उभरकर सामने आती हैं। इसलिए, अगर मैं इन किरदारों को अपनी नैतिकता या जजमेंट के हिसाब से देखूंगी तो उसे कभी बाखूबी नहीं निभा पाऊंगी। उसे समझने के लिए मुझे जजमेंट हटाना पड़ेगा। उनके हालात, उनकी वजहें समझनी पड़ेंगी। मैं ये नहीं कहती कि आप उसे सही ठहराएं पर उसके प्रति थोड़ी नर्मी दिखानी होगी, क्योंकि हर किसी के हालात, परवरिश, बैकग्राउंड अलग होती है। इसलिए सिनेमा लोगों से जुड़ने और उनको समझने का सबसे बढ़िया माध्यम है। जब आप एक मर्डरर की कहानी देख रहें, तो उसके नजरिए से देखना होगा। सिनेमा का काम ही है कि वो आपको जजमेंट और नैतिकता से दूर लेकर जाए।

आप हमेशा ही लीग से हटकर किरदार चुनती हैं। ऐसे में फोर इयर्स लेटर की श्रीदेवी को चुनने के पीछे क्या वजह रही?

श्रीदेवी आज के जमाने की बहुत ही आधुनिक लड़की है, जिसमें आत्मविश्वास है, उसकी ख्वाहिशें हैं, वह आत्मनिर्भर है, लेकिन अपने समाज, संस्कृति, लोगों की उम्मीदों के चलते एक बंधन महसूस करती है। इसके बावजूद उसमें जिंदगी को लेकर बहुत उत्साह है। वह जिंदगी को एंजॉय करती है। वो दूध की धुली हुई भी नहीं है। वो भी गलतियां करती हैं, लेकिन उसको मानती है। ऐसे में बहुत लेयर्ड किरदार है।

आप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के प्रॉजेक्ट्स में लगातार काम कर रही हैं। कोई ऐसी चीज आपको लगती है कि हमारी इंडस्ट्री को उनसे सीखनी चाहिए?

अभी हमारी इंडस्ट्री भी काफी बेहतर हुई है। बस ये है कि वहां सारी चीजें काफी सिस्टमैटिक होती है। वहां नियम-कायदे काफी अच्छे से लागू होते हैं। यहां क्या होता है कि जो लोग पैसा लगाते हैं, चाहे प्लैटफॉर्म हो, प्रड्यूसर हो या स्टूडियो, वे कहेंगे कि ढाई फिल्म के बराबर के कॉन्टेंट वाली एक सीरीज एक फिल्म के बजट में बनाओ, तो निश्चित तौर पर क्वॉलिटी गिरेगी। वहां एक ढांचा होता है कि स्क्रिप्ट को सही वक्त देते हैं, उसे डेवलप करने में, उसके प्री प्रॉडक्शन में, आप वो करें, तब बराबरी आएगी। अगर आप सिर्फ ये सोचेंगे कि पैसे कहां बचा सकते हैं तो क्रिएटिविटी पर असर पड़ता है। ये चीजें हम उनसे सीख सकते हैं कि आप हर चीज को सही मोल दें।

बीते साल आपकी फिल्म संतोष से लेकर ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट तक ने कान्स और कई अंतरराष्टीय फिल्म फेस्टिवल में झंडे गाड़े

पहले तो मेरा ये कहना है कि ऐसा नहीं है कि हमारे यहां अच्छी या फेस्टिवल के लायक फिल्में पहले नहीं बनी हैं। ये फेस्टिवल्स भी अपने हिसाब से सिलेक्शन करते हैं। हमें उनके हिसाब से अपनी फिल्मों का स्टैंडर्ड तय नहीं करना चाहिए कि ये कान्स में गई है तो यही पहली अच्छी फिल्म है। हम ये भी सवाल उठा सकते हैं कि हमें उन लोगों ने क्यों पहले ये मौका नहीं दिया! मैं ऐसा कभी नहीं मानूंगी कि जो वहां गई हैं, सिर्फ वही अच्छी फिल्में हैं या उसके लायक है। हमें उसे अपनी फिल्मों की गुणवत्ता का पैमाना नहीं मानना चाहिए। बहुत सारी अच्छी फिल्में पहले भी बनी हैं। ये अच्छी बात है कि आज दुनिया हमें देख रही है। अपने फेस्टिवल का हिस्सा बना रही है।

ऐमनाबद गांव में करोड़ों रुपये की भूमि से हटाया अवैध कब्जा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ऐमनाबद गांव स्थित अधिग्रहित 8900 वर्गमीटर भूमि अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई। प्राधिकरण के भय से पहले तो भूमि पर अवैध कब्जा जमाकर आर एम सी प्लांट आदि लगाकर बैठे भूमाफिया ने खुद अपना कब्जा हटा लिया। बाद में प्राधिकरण के दस्ते ने बुलडोजर चलाकर पूरी तरह भूमि कब्जा मुक्त करा ली।

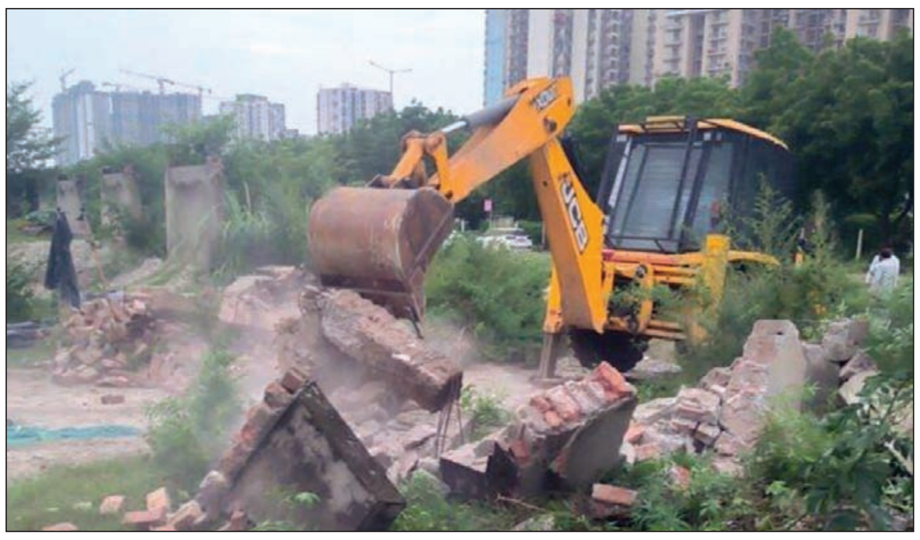

गांव बिसरख ऐमनाबद के खसरा संख्या 225 की लगभग नौ हजार वर्गमीटर भूमि वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे से आज बुधवार को मुक्त हो गयी। इस भूमि पर एक चर्चित भूमाफिया ने आर एम सी प्लांट आदि लगाकर कब्जा किया हुआ था। उक्त भूमाफिया को सत्तारूढ़ पार्टी के एक बड़े नेता का वरदहस्त बताया जाता है।सूत्रों के अनुसार प्राधिकरण ने अपनी अधिग्रहित इस भूमि को कब्जा मुक्त कराने की योजना तैयार की थी। संभवत: यह जानकारी भूमि पर अवैध कब्जा जमाए भूमाफिया को मिल गई थी।माना जा रहा है कि प्राधिकरण के कठोर रुख को देखते हुए सत्तारूढ़ पार्टी के संरक्षण दाता नेता ने भी इस मामले में अपने हाथ पीछे खींच लिए।इसी कारण प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते के पहुंचने से पहले ही उक्त भूमि से अधिकांश अवैध कब्जा हटाया जा चुका था। शाम को वर्क सर्किल -3 के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम के नेतृत्व में पहुंची टीम ने जेसीबी आदि से शेष अवैध कब्जे को ध्वस्त कर दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एनजी द्वारा प्राधिकरण की अधिसूचित और अधिग्रहित भूमि पर अवैध कब्जा या अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश मातहत अधिकारियों को दिए गए हैं। उनके निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव व विशेष कार्याधिकारी गुंजा सिंह द्वारा प्राधिकरण की भूमि को अभियान चलाकर अवैध कब्जों से मुक्त कराया जा रहा है।

जनता की समस्याओं का समाधान शीर्ष प्राथमिकता : मेधा रूपम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की नवांगतुक जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कोषागार, कलैक्ट्रेट परिसर, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पहुंचकर विधिवत् रूप से गौतमबुद्धनगर जनपद के जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान नवागंतुक जिलाधिकारी के साथ निवर्तमान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने नवागंतुक जिलाधिकारी को चार्ज सौंपा व जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी मेधा रूपम 2014 बैच की आईएएस अधिकारी है। इनका जनपद कासगंज से गौतमबुद्धनगर के लिए स्थानांतरण हुआ है। यह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं जिला अधिकारी हापुड़ के पद पर भी कार्य चुकी है।

कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागंतुक जिलाधिकारी ने अधिकारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त किया एवं जिले के प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकताओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसुविधा को सर्वोपरि रखते हुए प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर विशेष फोकस रहेगा तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 बच्चू सिंह, राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भैरपाल सिंह, मुख्य वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक शाही, दुर्गेश सिंह, तहसीलदार तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वीवीआईपी होम्स के फ्लैट खरीदारों के खिले चेहरे

शिविर में 76 फ्लैटों की रजिस्ट्री, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने खरीदारों को सौंपे रजिस्टर्ड प्रपत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16 सी स्थित वीवीआइपी होम्स (सोलिटियर इंफ्राहोम्स) के फ्लैट खरीदारों के लिए बुधवार का दिन बहुत खुशी लेकर आया। लंबे इंतजार के बाद खरीदारों के नाम फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू हो गई। खरीदारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, स्टांप विभाग व बिल्डर ने मिलकर फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए सोसाइटी परिसर में ही शिविर लगाया।

ग्रेनो प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस की मौजूदगी में शिविर का शुभारम्भ किया गया, रजिस्ट्री विभाग और बिल्डर प्रतिनिधि मौजूद रहे। पहले दिन करीब 76 फ्लैटों की रजिस्ट्री कर खरीदारों को दस्तावेज सौंपे गए। इसमें 286 फ्लैटों की रजिस्ट्री होनी है। इस सोसाइटी में लगभग 1300 फ्लैट हैं। इनमें से कुछ फ्लैटों की रजिस्ट्री पूर्व में भी हो चुकी हैं।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर फ्लैट खरीदारों की सुविधा के मद्देनजर बिल्डर विभाग स्टांप विभाग के साथ मिलकर सोसाइटियों में शिविर का आयोजन कर रहा है। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने वीवीआईपी होम्स के फ्लैट खरीदारों के धैर्य की सराहना की और मालिकाना हक मिलने पर खुशी जाहिर की। बुधवार को रजिस्ट्री होने के बाद फ्लैट खरीदार सौरव जैन, अतुल गुप्ता, मनविंदर सिंह भाटिया, रीता भटनागर आदि ने खुशी जाहिर करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और प्रदेश सरकार की सराहना की। रजिस्ट्री शिविर के दौरान प्राधिकरण के बिल्डर विभाग की प्रबंधक स्नेहलता, रजिस्ट्री विभाग और बिल्डर प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कोको काउंटी सोसाइटी पर लगाया जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित के सेक्टर 10 स्थित कोको काउंटी सोसाइटी पर प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने 10,500 रुपये का जुर्माना लगाया है। कूड़े का उचित प्रबंधन न मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की है। जुर्माने की रकम तीन कार्य दिवस में प्राधिकरण के खाते में जमा कराने को कहा गया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की प्रभारी गुंजा सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्रेनो वेस्ट में कूड़े को डस्टबिन में ही डालने के लिए जागरुकता अभियान भी चला रही है। साथ ही टीम ने ईकोटेक -3 में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। स्वीपरों की उपस्थिति की भी जांच की गई। डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन सिस्टम का भी परीक्षण किया गया। टीम ने कंपनियों से संपर्क कर जागरूक किया कि अपनी कंपनी के गेट के पास नीले व हरे रंग की डस्टबिन रखें और कूड़ा- कचरा इधर-उधर न फेंकें। इसके साथ ही सी एंड डी वेस्ट फेंकने वाली कंपनी पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई।

ओएसडी गुंज सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की टीम से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गांवों में रोस्टर वाइज सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए।

सेक्टर-82 के पॉकेट 7 में जर्जर पैनल बॉक्स, हादसों को दावत

नोएडा (चेतना मंच)। ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 सेक्टर-82 में विद्युत संबंधी कई समस्याएं हैं जिनका निराकरण अभी तक नहीं हुआ है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि एमडी से लेकर मुख्य अभियंता, एसडीओ को कई बार पत्र देकर समस्याओं से अवगत कराया गया लेकिन अभी तक पूर्ण रूप से समाधान नहीं हुआ है। जर्जर मीटर पैनल बॉक्स कुछ ब्लॉक में बदले गए हैं लेकिन अभी ज्यादातर ब्लॉक में जर्जर मीटर पैनल बॉक्स नहीं बदले गए हैं। जो पोल नीचे से गले हुए हैं उनको भी आजतक नहीं बदला गया है इसके अलावा पार्कों में लगे कुछ बिजली के पैनल नए लगा दिए गए थे लेकिन कुछ पैनल पूरी तरह से खुले हुए हैं जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। खुले पैनल से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। ट्रांसफार्मर के पास नए चेंज ओवर लगाए गए हैं लेकिन वह भी पूरी तरह खुले हुए हैं जिससे कोई दुर्घटना हो सकती है। बिजली की मोटी केबल कई जगह अभी भी खुली पड़ी है जिसको अंडरग्राउंड करने की जरूरत है कुछ जगह केबल को अंडरग्राउंड किया गया है। हमारे लगातार अनुरोध के बाद विद्युत विभाग द्वारा काफी समय पहले कार्य शुरू कराया गया था लेकिन बीच में बंद हो गया। 16 ब्लॉक में केबल खराब हुई तो उसे आने जाने वाले रास्ते में खुला डाल दिया गया एक दिन उसमें स्पार्किंग हुई और वह जल गई इसके बाद बिजली कर्मचारियों ने उसे ही टेप लगाकर डाल दिया जो कि बेहद खतरनाक है। पानी बरसने पर वह केबल डूब जाती है जिससे हादसा हो सकता है। कुछ समय पहले ही विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पॉकेट का दौरा किया था और अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण कराने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं हो रहा है। हमारी विद्युत विभाग के अधिकारियों से अनुरोध है कि अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण किया जाए जिससे संभावित किसी दुर्घटना से बचा जा सके।

5 अगस्त को दस्तावेजों का होगा सत्यापन

नोएडा (चेतना मंच)। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गौतम बुद्ध नगर अनिल कुमार ने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूल किट योजना के तहत ऑनलाइन वेबसाइट www.diupmsme.upsdc.gov.in/msme.up.gov.in पर दर्जी ट्रेड में प्रशिक्षण के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र सूरजपुर(कलेक्ट्रेट के निकट/पीछे ईकोटेक 2) ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्धनगर के परिसर में 05-08-2025 को प्रात: 11 बजे 4 बजे तक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अभिलेखों के सत्यापन के समय उक्त योजना में प्रशिक्षण के लिए भरे गए ऑनलाइन फॉर्म की प्रति, एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की फोटो कॉपी, बैंक पासबुक की एक फोटो कॉपी, जिसमें खाता संख्या और आईएफएससी कोड सही लिखा हो, जाति प्रमाण पत्र (यदि हो) आदि दस्तावेजों के साथ अभ्यर्थी उपस्थित हो।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण चयन के लिए प्राथमिकता उन आवेदकों को दी जाएगी, जिन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में आवेदन किया है।

नोएडा में भक्तों ने किये 'बाबा बर्फानी' के दर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। अमरनाथ की गुफा में बर्फ से बनने वाले शिवलिंग यानी बर्फानी बाबा का दर्शन सेक्टर-12 के श्रद्धालुओं ने भी किया। सेक्टर-12 स्थित लाल शिव मंदिर में बर्फ के जरिए 5 से 6 फुट के कई शिवलिंग बनाए गए। सावन मास में सेक्टर 11 तथा 12 के कई श्रद्धालुओं खासकर महिलाओं ने बर्फ से बने हुए शिवलिंग की पूजा अर्चना की तथा दर्शन किए।

इस मौके पर आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने बताया कि जो लोग अमरनाथ जाने से वंचित रह गए उनकी सुविधा के लिए उन्होंने मंदिर में ही बर्फ से कृत्रिम बर्फानी बाबा का रूप बनाया। जिससे लोग उनके दर्शन कर सकें तथा पूजा-अर्चना कर सकें।

इस मौके पर सेक्टर-11 आरडब्ल्यूए के महासचिव दिनेश कृष्ण समेत कई पदाधिकारी तथा सेक्टरवासी मौजूद थे।